PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 294 ● भिलाई, गुरुवार 04 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

अग्निकांड से फिर दहली दल्ली

मालवीय नगर रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 की मौत

नई दिल्ली। एजेंसी

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार को हुए भीषण अग्निकांड ने राजधानी को झकझोर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। मृतकों और घायलों में कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, जिस इमारत में आग लगी उसमें रेस्टोरेंट के साथ-साथ ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध थी। वहां ठहरे अधिकांश लोग ऐसे थे जिनके परिजनों का इलाज पास स्थित हास्पीटल में चल रहा था। इसी वजह से वे अस्थायी रूप से वहां रह रहे थे। हादसे के बाद भवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, होटल के पास केवल 6 कमरों के संचालन का लाइसेंस था, जबकि इमारत में 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। यदि यह जानकारी जांच में सही पाई जाती है, तो यह भवन नियमों और लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन का मामला हो सकता है। बताया जा रहा है कि इमारत से बाहर निकलने के लिए केवल एक मुख्य रास्ता था, जिससे आपातकालीन स्थिति में लोगों के सुरक्षित निकास में कठिनाई हुई। कुछ लोग बेसमेंट में भी मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के दौरान बेसमेंट के बाहरी गेट पर ताला लगा होने की बात भी सामने आई है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फायर अधिकारी ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस को सुबह 8:50 बजे आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारी के अनुसार, शुरुआती प्रतिक्रिया के तहत घटनास्थल पर 7 फायर टेंडर भेजे गए थे, जबकि अन्य आवश्यक यूनिट्स भी रास्ते में थीं। सभी जरूरी संसाधन जल्द ही मौके पर पहुंच गए और दमकलकर्मियों ने तेजी से बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि टीम के घटनास्थल पर पहुंचते ही इमारत में फंसे लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया, जिसके दौरान 37 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। संबंधित भवन एक बहुमंजिला संरचना है, जिसमें एक बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। मालवीय नगर के हौज़ रानी क्षेत्र स्थित एक होटल में लगी भीषण आग की घटना पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे से वे बेहद व्यथित हैं ।और उनकी संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। उपराज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि पुलिस, सिविल और अग्निशमन बचाव दल की टीमें घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सभी संबंधित एजेंसियां प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं।

अग्निकांड में एक ही परिवार के 8 लोगों की गई जान

दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार सुबह एक होटल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर विदेशी नागरिक शामिल है, जो सेंट्रल एशिया और अफ्रीकी देशों से भारत आए थे। दिल्ली अग्निशमन विभाग और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8:50 बजे आग लगी। जिसके बाद भीषण आग ने ऊपरी मंजिलों पर बने होटल के रूम और बेसमेंट को अपने चपेट में ले लिया। इस भयावह हादसे में गुरुग्राम के एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये परिवार मैक्स हॉस्पिटल में एक परिजन का इलाज कराने के लिए लिए आए हुए थे। घटना के वक्त ये सभी लोग होटल में नाश्ता कर रहे थे। जैसे ही इस हादसे की जानकारी सामने आई, मालवीय नगर स्थित होटल में ठहरे हुए लोगों के परिजन मैक्स अस्पताल के बाहर जुट गए। अस्पताल में कुल 39 लोगों को भर्ती कराया गया था, जिनमें 18 की मौत हो चुकी थी। दिल्ली के महावीर एनक्लेव के रहने वाले प्रेम बंसल भी जब वहां पहुंचे तो उनके ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस दर्दनाक हादसे में बेटी-दामाद समेत उनके परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। प्रेम बंसल के दामाद विवेक अग्रवाल गुरुग्राम के सेक्टर-46 के निवासी थे। विवेक अग्रवाल सेक्टर-46 के मकान नंबर 3169 में परिवार के साथ रहते थे।

अग्निकांड पर पीएम मोदी ने जताया शोक

दिल्ली के मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड पर पीएम मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे में लोगों की मौत को अत्यंत दुखद बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। प्रधानमंत्री ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहा है और राहत एवं बचाव कार्यों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने परिजनों को दीं संवेदनाएं

मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही सभी संबंधित आपातकालीन एजेंसियों को तत्काल सक्रिय कर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एम्बुलेंस सेवा और अन्य अन्य आपातकालीन एजेंसियों की टीमों ने मौके पर पहुंचकर तत्काल बचाव अभियान चलाया। उनकी त्वरित कार्रवाई के कारण प्रभावित भवन से कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। और अनेक लोगों की जान बचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

नियुक्त किए 3 नए प्रवक्ता

6 जून के आंदोलन से पहले सीजेपी की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली। देश की राजनीति में पिछले कई दिनों से चर्चा में रहने वाली पार्टी कॉकरोच जनता पार्टी अब विस्तार कर रही है। पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किया है। तीनों प्रवक्ता अलग-अलग पेशे से हैं। एक पत्रकार, एक पूर्व मैनेजमेंट कंसल्टेंट और एक फिल्मकार शामिल हैं। 6 जून को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन से पहले पार्टी अपनी पहुंच बनाने की लगातार कोशिश कर रही है। कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स से इसकी जानकारी दी है। ये प्रवक्ता दिल्ली में होने वाले विरोध आंदोलन को दौरान पार्टी की ओर से जनता और मीडिया के सामने अपनी बात रखेंगे। पार्टी ने एक्स अकाउंट पर तीनों प्रवक्ता की जानकारी भी साझा की। प्रसिद्ध खोजी पत्रकार सौरभ दास मुख्य प्रवक्ता बनाए गए हैं। राजनीतिक शोधकर्ता, लेखक और फिल्म निर्माता विजेता दहिया, और आईआईटी कानपुर तथा वैश्विक प्रबंधन परामर्श फर्म McKinsey के पूर्व छात्र आशुतोष रांका, सौरभ दास के साथ प्रवक्ता की भूमिका निभाएंगे। पार्टी ने लिखा,सीजेपी भारत की राजनीतिक चर्चा की दिशा बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस प्रयास का नेतृत्व नेताओं की एक नई पीढ़ी करेगी। विजेता दहिया ने प्रवक्ता की भूमिका संभाली है, जिसके पीछे राजनीतिक शोध और रणनीतिक विश्लेषण में उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। वे एक लेखक, कंटेंट क्रिएटर और फिल्म निर्माता हैं, और उन्होंने विभिन्न YouTube कंटेंट क्रिएटर्स के लिए शोध और कंटेंट तैयार करने में सहयोग दिया है। आशुतोष रांका पार्टी की कम्युनिकेशन टीम में शामिल हो गए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी को सोनम वांगचुक का मिला साथ, 6 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में होंगे शामिल

कॉकरोच जनता पार्टी में शामिल होने के लिए कई ऐसी राजनेता है जो अपनी इच्छा बता चुके चुके है. पर अभी तक से यही लग रहा है कि सिर्फ इस पार्टी का मकसद केवल सोशल मीडिया पर ट्रेड में आकर सिर्फ अटेन्शन पाना था. लेकिन अब लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करनेवाले भारतीय ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने इसमे शामिल होने की इच्छा जताई है. सोनम वांगचुक ने ऐलान किया है कि अगर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान 5 जून तक इस्तीफा नहीं देते है तो कॉकरोच जनता पार्टी के साथ खड़े होंगे. भारतीय ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। सोनवांगचुक ने आगे कहा है कि मुझे कॉकरोच जनता पार्टी के फाउडर अभिजीत दिपके से बात करके ऐसा लगा कि उनकी सोच गलत नहीं है, वह अच्छे मंशा के साथ एक देशप्रेमी की तरह देश में बदलाव चाहते है. भारतीय ऐक्टिविस्ट ने आगे कहा कि अभिजीत 6 जून को दिल्ली में लोगों को बुला रहे है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से मकान गिरा,

नई दिल्ली। दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। भलस्वा डेरी के पास स्थित मुकुंदपुर के ईशु विहार में एक मकान में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने के बाद पूरा घर ढह गया। हादसे के समय मकान में मौजूद कई लोगों के मलबे में दब जाने की आशंका जताई गई, जिसके बाद पुलिस, दमकल विभाग और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, सुबह 9:37 बजे मुकुंदपुर-द्वितीय के ईशु विहार, गली नंबर-1 से धमाके और मकान गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी गिरिराज ने बताया कि शुरुआती जांच में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट को हादसे का कारण माना जा रहा है। विस्फोट के चलते करीब 250 वर्ग गज में फैला एक मंजिला मकान पूरी तरह ढह गया। राहत दल ने अब तक मलबे से 6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

लेबनान पर इजरायली हमलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लेबनान पर इजरायल के हमलों की निंदा की है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने इजरायल की ओर से लेबनान को तबाह करने और अमेरिका-ईरान समझौते को पटरी से उतारने की कोशिशों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, पश्चिम एशिया में युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। ऐसे किसी समझौते का तत्काल प्रभाव होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने और तेल की कीमतों पर दबाव कम होने के रूप में सामने आएगा और इन दोनों मुद्दों से भारत के बड़े हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह बातचीत अब तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है।

केंद्र सरकार ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों को किया अधिसूचित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों में संशोधनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत यह अनिवार्य किया गया है कि भारत में 180 दिनों तक के वीजा पर आने वाले विदेशियों को, अगर वे देश में अपना प्रवास बढ़ाना चाहते हैं, तो अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले ही अपना पंजीकरण करवाना होगा। 1 जून को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित ये संशोधन नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। आप्रवास और विदेशियों विषयक नियम-2026 के तहत विदेशियों के पंजीकरण की प्रक्रिया, भारतीय माता-पिता वाले बच्चों से जुड़े प्रावधानों, आपातकालीन पंजीकरण मामलों और अपील तंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस संशोधन के अनुसार, भारत में आगमन के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी पंजीकरण कराया जा सकता है। पहले, 180 दिन की अवधि समाप्त होने के 14 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य था।

कर्नाटक में 'डीके' राज का आगाज

राज्यपाल ने शिव कुमार को दिलाई सीएम पद की शपथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। शपथ ग्रहण समारोह बेंगलुरु के लोक भवन स्थित ग्लास हाउस आयोजित किया गया था। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उनको मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ ही डॉ. जी. परमेश्वर ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत कई बड़े कांग्रेस के नेता शामिल हुए। बेंगलुरु में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। डी.के. शिवकुमार ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री और डॉ. जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण के दौरान डीके शिवकुमार हाथों में भारत के संविधान की एक कॉपी भी लिए रहे। जोकि काफी चर्चा में रहा। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के साथ यतींद्र सिद्धारमैया समेत कांग्रेस के 12 नेता राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के तौर पर शामिल हुए। ईश्वर खंड्रे, यतींद्र सिद्धारमैया, बिरथी सुरेश और डॉ. शरण प्रकाश पाटिल, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियांक खरगे, यू.टी. खादर, के.एच. मुनियप्पा, के.जे. जॉर्ज, एम.बी. पाटिल और रामलिंगा रेड्डी ने मंत्री पद की शपथ ली। डीके शिवकुमार पिछले महीने 30 मई को डीके शिवकुमार कांग्रेस विधायक दल की बैठक में नेता चुने गये थे।

आप नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ी हैं। दिल्ली पुलिस ने जनकपुरी इलाके की एक रेप पीड़िता की पहचान उजागर करने पर सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जनकपुरी स्थित स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ हुए बलात्कार के मामले में सौरभ भारद्वाज ने कथित तौर पर पीड़िता की पहचान उजागर की। इसके बाद पुलिस ने उन पर एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल, जनकपुरी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बता दें कि पिछले महीने कथित तौर पर स्कूल परिसर में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई।

टीएमसी टूटी 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

रितब्रता बनर्जी को विधायक दल का अब नेता चुना गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी खबर पश्चिम बंगाल की राजनीति से आई है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी टूट गई है। 58 बागी विधायकों ने अलग गुट बनाया है। 58 बागी रूत्र ने पार्टी से निकाले गए विधायक रितब्रता बनर्जी को विधायक दल का नेता घोषित किया। बागी विधायकों के दल ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलकर अपना समर्थन पत्र भी सौंपा। ये सभी बागी विधायक स्पीकर को समर्थन पत्र सौंपकर असली टीएमसी पार्टी का दावा किया। इसी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी दो गुटो में बंट गया है। बागी विधायकों के इस कदम से ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। ममता बनर्जी के सामने अब अपनी खुद की बनाई पार्टी टीएमसी से भी कंट्रोल खोने की संभावना बन गई है। 15 साल बाद बंगाल की सत्ता से दूर होने के बाद ममता बनर्जी अब अपनी पार्टी से भी हाथ धो सकती है। बैठक में 58 बागी एमएलए ने रितब्रता बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना। वहीं जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता बनाया गया है। जबकि अखरु जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार कर दिया है। बता दें कि टीएमसी में टूट की नींव सिग्नेचर फर्जीवाड़े के बाद पड़ी। विगत सोमवार को अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर स्पीकर को भेजे गए पत्र में शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने का प्रस्ताव भेजा था।

हुमायूं कबीर को लगा झटका

हुमायूं कबीर की वाय प्लस सुरक्षा हाईकोर्ट ने हटाई......

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी के एमएलए और चेयरमैन हुमायूं कबीर को हाई कोर्ट के आदेश पर वाय प्लस सिक्योरिटी दी गई थी. इसके लिए उन्होंने हाई कोर्ट में भी याचिका दायर की थी. हुमायूं कबीर को जान से मारने की धमकी के कारण कलकत्ता हाई कोर्ट ने सेंट्रल सिक्योरिटी का आदेश दिया था. अब उसी हाई कोर्ट के आदेश पर आज बुधवार को केंद्र सरकार की तरफसे मिली वाय प्लस सिक्योरिटी वापस ले ली गई है. पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की भी सुरक्षा जेड से वाय कैटेगरी की कर दी गई है. सीएम शुभेन्दु अधिकारी की सरकार ने हाल ही में सुरक्षा समीक्षा करने के बाद पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली सहित कई लोगों की सुरक्षा में सेंध लगाने का फैसला लेते हुए अमली जामा पहना दिया है. पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की भी सुरक्षा जेड से वाय कैटेगरी की कर दी गई है. हुमायूं कबीर की वाय प्लस सुरक्षा वापस ले ली है. हालांकि हुमायूं कबीर ने सुरक्षा कम होने पर बोला कि केंद्र और राज्य सरकार से वह अपनी सिक्योरिटी के लिए रीक्वेस्ट करेंगे.

जबरन मजदूरी का लगाया आरोप

यूएस का भारत समेत 60 देशों पर टैरिफ बम! ट्रेड डील के बीच ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ पर भारत को तगड़ा झटका दे सकते हैं। जी हां.. डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर दुनिया पर टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी में हैं। अमेरिका भारी-भरकम नया टैरिफ भारत पर लगा सकता है। अमेरिका कम से कम 10 फीसदी का टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। वहीं 12.5व टैरिफरेट भी पहुंच सकता है। उनका ये प्रपोजल जबरन श्रम प्रथाओं की जांच के बाद आया है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील की बातचीत के बीच ये प्रस्ताव लाया गया है। इसका असर दोनों देशों के व्यापार समझौता पर पड़ सकता है। दरअसल अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत और चीन सहित 60 देशों के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाई का प्रस्ताव रखा है। यूएसटीआर का कहना है कि इन देशों ने कथित तौर पर जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रभावी प्रतिबंध लागू नहीं किए हैं। लिहाजा इससे अमेरिका को घाटा हो रहा है। लिहाजा इन देशों के खिलाफ टैरिफ लगाया जाए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया है कि 60 अर्थव्यवस्थाओं की नीतियां और कार्यप्रणालियां अमेरिकी व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। यूएसटीआर के अनुसार इन देशों द्वारा जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात को प्रभावी ढंग से रोकने में विफल रहने के कारण अमेरिकी कारोबार प्रभावित हो रहा है। लिहाजा इन देशों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस लिस्ट में भारत और चीन का नाम शामिल है। दोनों देशों के खिलाफ ट्रंप 12.5 फीसदी का टैरिफ लगा सकते हैं। इन दोनों देश के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और स्विट्जरलैंड जैसे देशों से आने वाले सामानों पर भी 12.5 फीसदी का टैरिफ लगा सकता है। जबकि कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय यूनियन, ताइवान और ब्रिटेन समेत अन्य देशों से आयात पर 10 फीसदी की टैरिफ लागू हो सकता है। यूएसटीआर ने बताया कि इस मामले की जांच 12 मार्च को शुरू की गई थी। जांच के दौरान करीब 60 गवाहों के बयान लिए गए और सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया के दौरान लगभग 500 टिप्पणियां प्राप्त हुईं।

CMYK

ब्रह्माकुमारीज भाटापारा द्वारा रेलवे स्टेशन पर 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' का आयोजन

भाटापारा। 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के वैश्विक अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, सेवाकेंद्र भाटापारा के तत्वाधान में स्थानीय रेलवे स्टेशन पर एक गरिमामय और जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस और रेल यात्रियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें व्यसनमुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजय कुमार (सी.एस.एम., मुख्य स्टेशन मास्टर) और केशव यदु (वाणिज्य अधीक्षक, रेलवे भाटापारा) उपस्थित रहे। साथ ही, कानून व सुरक्षा व्यवस्था की ओर से एन.आर. साहू (शहरी थाना उपनिरीक्षक) तथा राजेंद्र सोरी (सहायक उपनिरीक्षक) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी सम्मानीय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा उपस्थित लोगों को तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत किया गया। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेल कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाल परिवार के लिए तंबाकू छोड़ने का संकल्प भी दिलाया गया। इस सराहनीय पहल की रेलवे प्रशासन और आम जनता ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अटल आरोग्य लैब योजनांतर्गत जिला धमतरी में अत्याधुनिक प्रयोगशाला सेवा

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महत्वाकांक्षी अटल आरोग्य लैब योजना के अंतर्गत जिला अस्पताल धमतरी में अत्याधुनिक प्रयोगशाला सेवाओं का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस पहल से जिले के नागरिकों को आधुनिक तकनीक आधारित जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुदृढ़ होगी। जिला धमतरी में वर्तमान चरण में 94 प्रकार की जांच सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इनमें सीरोलॉजी, हीमेटोलॉजी, इम्यूनोएसे, हार्मोन एनालाइजर, इलेक्ट्रोलाइट एनालाइजर, क्लीनिकल पैथोलॉजी सहित अनेक विशेष जांचें शामिल हैं। आगामी चरणों में जांच सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा, जिससे जिले के नागरिकों को और अधिक व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। योजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि मरीजों को जांच रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए अस्पताल अथवा प्रयोगशाला के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। जांच पूर्ण होने के उपरांत रिपोर्ट सीधे उनके मोबाइल फोन पर एसएमएस एवं व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्रक्रिया भी अधिक त्वरित और प्रभावी बन सकेगी। मालूम हो कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विगत 13 अप्रैल को सुकमा जिले से राज्यव्यापी स्तर पर शुभारंभ की गई है। इस योजना का उद्देश्य उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सेवाओं का विकेंद्रीकरण कर उन्हें प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुंचाना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन मिनी रत्न सार्वजनिक उपक्रम एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ सार्वजनिक-निजी सहभागिता मॉडल के अंतर्गत साझेदारी की गई है। एचएलएल की विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवा इकाई हिंदलैब्स द्वारा इन सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। अटल आरोग्य लैब योजना के तहत प्रदेशभर के 1,046 शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को एकीकृत प्रयोगशाला नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिनमें जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। योजना के अंतर्गत नागरिकों को 133 से अधिक प्रकार की जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड द्वारा प्रशिक्षित तकनीकी एवं विशेषज्ञ मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही अत्याधुनिक स्वचालित उपकरणों, उच्च गुणवत्ता वाले अभिकर्मकों तथा सुदृढ़ नमूना परिवहन प्रणाली की व्यवस्था की गई है। जिससे दूरस्थ क्षेत्रों से प्राप्त नमूनों की भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित हो सके। यह व्यवस्था राज्य शासन एवं स्वास्थ्य विभाग के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी। इससे प्रयोगशालाओं के संचालन, उपकरण प्रबंधन, विशेषज्ञ मानव संसाधन की उपलब्धता तथा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी प्रशासनिक चुनौतियों में कमी आएगी। साथ ही सभी जांच सेवाएं राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही हैं, जिससे शासकीय जांच रिपोर्टों की विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ होगी। पूर्व में अनेक विशेष जांचों के लिए मरीजों को निजी प्रयोगशालाओं में जाकर पर्याप्त राशि व्यय करनी पड़ती थी। अटल आरोग्य लैब योजना के माध्यम से अब ऐसी जांच सुविधाएं निःशुल्क अथवा अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध होने से आम नागरिकों के स्वास्थ्य संबंधी व्यक्तिगत आर्थिक व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विशेष राहत मिलेगी। जिला धमतरी में अटल आरोग्य लैब सेवाओं का स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पहल न केवल नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध जांच सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, बल्कि रोगों के शीघ्र निदान, प्रभावी उपचार तथा बेहतर जनस्वास्थ्य प्रबंधन को भी नई गति प्रदान करेगी। शासन की यह जनकल्याणकारी पहल विकसित छत्तीसगढ़ एवं स्वस्थ छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन जांच चौकी खम्हारपाली में सघन जांच अभियान

15 बसों व अन्य वाहनों पर कार्रवाई कर 2 लाख रुपये वसूले शमन शुल्क

सरायपाली। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा संचालित परिवहन जांच चौकी खम्हारपाली में यात्री सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं राजस्व संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। खम्हारपाली परिवहन जांच चौकी प्रभारी ठाकुर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से ओडिशा एवं झारखंड की ओर संचालित अखिल भारतीय पर्यटक परमिट एवं अन्य व्यावसायिक बसों की नियमित जांच की जा रही है। जांच के दौरान कई बसों में निर्धारित सीमा से अधिक लगेज का परिवहन पाया गया, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। मई माह में ही 15 बसों सहित अन्य वाहनों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 2 लाख रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। साथ ही वाहन संचालकों को भविष्य में नियमों का पालन करने एवं निर्धारित सीमा से अधिक सामान का परिवहन नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई है। परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता अभियान भी निरंतर चलाया जा रहा है। विभाग का मानना है कि सुरक्षित परिवहन व्यवस्था के लिए नियमों का पालन आवश्यक है। चेकपोस्ट क्षेत्र में पूर्व में भारी एवं व्यावसायिक वाहनों की तेज गति से आवाजाही के कारण दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती थीं, जिससे कई लोग घायल हुए थे।

इस समस्या के समाधान हेतु परिवहन विभाग द्वारा चेकपोस्ट के दोनों प्रवेश द्वारों पर बैरिकेड्स लगाए गए, जिससे वाहनों की गति नियंत्रित हुई। इस प्रभावी पहल का परिणाम यह रहा कि पिछले आठ माह के दौरान चेकपोस्ट क्षेत्र में कोई भी सड़क दुर्घटना दर्ज नहीं हुई, जो विभाग की सतर्कता और बेहतर यातायात प्रबंधन का सकारात्मक उदाहरण है। इसके अतिरिक्त स्थानीय नागरिकों को ट्रैफिक दबाव से राहत दिलाने के उद्देश्य से मोटरसाइकिल एवं निजी चारपहिया वाहनों को चेकपोस्ट परिसर में प्रवेश न देकर बाहर से ही बायपास कराया जा रहा है। इससे यातायात व्यवस्था सुगम हुई है तथा जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है।भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए चेकपोस्ट परिसर में वाटर कूलर एवं मटकों के माध्यम से शीतल पेयजल की व्यवस्था भी की गई है, जिसकी आमजन द्वारा सराहना की जा रही है। उल्लेखनीय है कि खम्हारपाली चेकपोस्ट ने विगत वित्तीय वर्ष में शासन द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य को 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ प्राप्त किया है, जो विभाग की कार्यकुशलता एवं राजस्व संग्रहण में पारदर्शिता को दर्शाता है। लगाए गए, जिससे वाहनों की गति नियंत्रित हुई। इस प्रभावी पहल का परिणाम यह रहा कि पिछले आठ माह के दौरान चेकपोस्ट क्षेत्र में कोई भी सड़क दुर्घटना दर्ज नहीं हुई, जो विभाग की सतर्कता और बेहतर यातायात प्रबंधन का सकारात्मक उदाहरण है। इसके अतिरिक्त स्थानीय नागरिकों को ट्रैफिक दबाव से राहत दिलाने के उददेश्य से मोटरसाइकिल एवं निजी चारपहिया वाहनों को चेकपोस्ट परिसर में प्रवेश न देकर बाहर से ही बायपास कराया जा रहा है। इससे यातायात व्यवस्था सुगम हुई है तथा जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्री सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा नियमों के प्रभावी पालन के लिए बसों एवं अन्य वाहनों की जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

शासकीय श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय धमतरी में प्रवेश शुरू

धमतरी। शासकीय श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय धमतरी में कक्षा पहली से दसवीं तक की श्रवण बाधित दिव्यांग बालिकाओं को निःशुल्क आवासीय शिक्षण का लाभ दिया जा रहा है। संस्था के अधीक्षक ने बताया कि इस आवासीय विद्यालय में कक्षा पहली से आठवीं तक श्रवण बाधित दिव्यांग बालिकाओं का प्रवेश प्रारंभ है। प्रवेश के लिए 6 से 14 साल तक के आयु की दिव्यांग बालिकाएं आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के साथ पिछली कक्षा की अंकसूची, नगर निगम या चिकित्सा विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, सक्षम अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी यूडीआईडी कार्ड लगाना होगा। इसके साथ ही आधार कार्ड की छायाप्रति, जिला चिकित्सालय द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साईज के 10 फोटो, ब्लड ग्रुप, बैंक पासबुक, राशनकार्ड की छायाप्रति सहित पहचान का निशान और सिकलसेल अथवा अन्य कोई बीमारी हो तो उसका भी उल्लेख करना होगा। अधीक्षक ने यह भी बताया कि यदि पहले से अध्ययनरत है, तो स्थानांतरण प्रमाण पत्र मूल में और जिले के बाहर के टीसी में जिला शिक्षा अधिकारी का प्रतिहस्ताक्षर जरूरी होगा।

सूने मकान में चोरी करने वाले दो आरोपी बिलासपुर से गिरफ्तार

भाटापारा। थाना भाटापारा शहर पुलिस को चोरी के एक बड़े मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुभाष वार्ड भाटापारा स्थित एक सूने मकान में लाखों की चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बिलासपुर से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर और नगदी रकम जब्त की गई है। प्रार्थी ढाल सिंह ठाकुर, निवासी सुभाष वार्ड भाटापारा अपनी पत्नी का इलाज कराने रायपुर गए हुए थे। इस दौरान उनका मकान सूना था। प्रार्थी के सूने मकान का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ा और अलमारी में रखे नगदी रकम तथा सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। घटना की जानकारी 21.05.2026 को प्रातः 09:00 बजे नौकरानी के घर में काम करने के लिए घर आने के बाद हुई। नौकरानी ने देखा कि घर के दरवाजा में लगा ताला टूटा हुआ था तथा अंदर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्र. 172/2025 धारा 305ए,331(4) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा मामले की बारीकी से जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पता चला कि पीड़ित के मोहल्ले (सुभाष वार्ड) में ही किराए के मकान में रहने वाले दो संदिग्ध युवक घटना के बाद से गायब हैं। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों का पीछा किया गया, जिसके बाद दोनों शातिर आरोपियों को बिलासपुर से घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। इस दौरान दोनों आरोपी चोरी का सामान सोने चांदी की जेवर आदि बेचने की फिराक में बिलासपुर में घूम रहे थे। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। प्रकरण में थाना भाटापारा शहर पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का शत-प्रतिशत मशरूका बरामद करने में सफलता पाई है।

चनाट में समर कैंप का शुभारंभ

भंवरपुर। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में शैक्षणिक सत्र के पहले दस दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ हुआ। इस शिविर के आयोजन से बच्चों में शैक्षणिक संवर्धन, कौशल निर्माण, रचनात्मक कला एवं खेल सहित समग्र विकास होगा। शाला खुलने से पहले बच्चे खेल खेल के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों में दक्ष होंगे। मिली जानकारी अनुसार दस दिवसीय समर कैंप में बच्चों को, जनरल नालेज, स्पोकन ईंग्लिश, लाइब्रेरी, फूल एवं मोतियों से माला गुथना, क्ले आर्ट, गृह सज्जा, संगीत में गायन, लोकनृत्य, रोल प्ले, जुम्बा योगा आदि में प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। बच्चों को गर्मी न पड़े इस बात को ध्यान में रखकर शिविर का समय सुबह 7:30 से 9: 30 बजे तक रखा गया है, स्वच्छ पेय जल की हमेशा उपलब्धता के साथ साथ प्रतिदिन बच्चों के लिए पौष्टिक स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।

अघरिया समाज द्वारा मेधावी विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

सरायपाली। अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्रीय समिति द्वारा फुलझर अघरिया कन्या छात्रावास में क्षेत्रीय स्तर पर बाल सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के मेधावी विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 42 विद्यार्थियों तथा कक्षा बारहवीं के 9 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके अलावा समाज से निर्वाचित 26 सरपंचों, 7 जनपद सदस्यों, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अध्यक्षों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सरस्वती पटेल, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद गंगाराम पटेल, आईडल पब्लिक स्कूल पाटसेन्द्री के संचालक कपूरचंद पटेल तथा केपी इंटरनेशनल इंग्लिश मीडियम स्कूल चट्टीगिरोला की संचालक मंजू पटेल को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय अघरिया समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा पटेल उपस्थित थीं। समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष नेहरूलाल पटेल ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रेमशीला नायक, तारेश्वरी नायक, विजय विक्की पटेल, प्रमोद पटेल, त्रिलोचन पटेल, कामता प्रसाद पटेल, भोजराज पटेल, मोंगरा पटेल, लक्ष्मी हरिश्चंद्र पटेल, सरस्वती चंद्र कुमार पटेल, मुकेश चौधरी, अरुण कुमार नायक, खेमराज पटेल तथा गंगाराम पटेल, अमृत पटेल जोगनीपाली व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमृत पटेल सरायपाली, सीता पटेल शामिल रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उषा पटेल ने कहा कि प्रतिभा सम्मान जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने मेधावी बच्चों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करता है तो अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने से उनका मनोबल बढ़ता है और वे अपने क्षेत्र में जनहित तथा सामाजिक कार्यों को और अधिक समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नेहरूलाल पटेल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, जबकि केंद्रीय प्रतिनिधि नेहरू चौधरी के द्वारा समाज का प्रतिवेदन का पाठन किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन द्वय राजाराम पटेल व सतीश पटेल ने व स्वागत गान व छत्तीसगढ़ वंदना का गायन द्वय शैलेंद्र नायक व जन्मजय नायक ने किया। समारोह के दौरान क्षेत्रीय समिति के कोषाध्यक्ष लव कुमार पटेल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र पटेल ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक द्वय प्यारेलाल पटेल व डोलचंद पटेल, अंचल प्रभारी अरुण नायक, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष रूपलाल नायक, भोलानाथ नायक, शोभाराम पटेल, बलिराम पटेल, धनीराम पटेल, श्यामलाल पटेल, हृदयराम नायक, शंकर लाल नायक, गंगाधर पटेल, हेमसागर चौधरी, अमिताभ चौधरी, रामेश्वर पटेल, महिला संयोजिका सावित्री पटेल, युवा संयोजक संजय चौधरी, विजय पटेल सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन समाज की एकजुटता, शिक्षा के महत्व और प्रतिभाओं के सम्मान के संदेश के साथ हुआ।

प्राथमिकता वाली योजनाओं में तेजी लाएं, शिकायतों का करें समयबद्ध निराकरण : कलेक्टर मिश्रा

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित समय.सीमा की बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, विकास कार्यों तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनहितकारी कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के उद्देश्य से शासन द्वारा सीएम हेल्पलाईन व्यवस्था प्रारंभ की जा रही है। इसके प्रभावी संचालन एवं शिकायतों के समयबद्ध निराकरण हेतु जिला एवं विकासखंड स्तर पर नामांकित अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 जून 2026 को प्रातः 10.30 बजे से जिला पंचायत धमतरी के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी विभागों के नामांकित जिला स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में भौतिक रूप से उपस्थित रहेंगे। विकासखंड धमतरी के अधिकारी जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जबकि नगरी, कुरूद एवं मगरलोड विकासखंडों के अधिकारी अपने.अपने मुख्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण में शामिल होंगे। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले में खाद के भंडारण, उठाव एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि किसानों को खरीफ सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। राजस्व विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने एग्री स्टैक के अंतर्गत संयुक्त खातों के सत्यापन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गठित संयुक्त दल मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर निर्धारित समय सीमा में सत्यापन कार्य पूर्ण करें। बैठक में लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल संसाधन विभाग तथा क्रेडा सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कुछ सड़कों की गुणवत्ता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित कार्यों की तकनीकी जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित कार्यपालन अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। साथ ही बिना पूर्व सूचना के मुख्यालय से अनुपस्थित रहने के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करनेए महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा आम नागरिकों को बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, नियमित स्वास्थ्य सेवाएं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा संस्थागत प्रसव की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। स्कूल शिक्षा की समीक्षा में कलेक्टर ने आगामी शैक्षणिक सत्र को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली व्यवस्था एवं जर्जर भवनों की मरम्मत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालयों की आवश्यक मरम्मत तथा व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों की केवाईसी प्रगति की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को अभियान चलाकर शत.प्रतिशत केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी बाधा के समय पर पेंशन का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने केवाईसी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा करते हुए दैनिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा निर्धारित लक्ष्य को समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त मांगों एवं शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर इंदिरा देवहारी, एसडीएम धमतरी पीयूष तिवारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राजिम पुलिस ने 13.775 किलो गांजा किया जब्त 5 आरोपी पकड़ाए

रायपुर। राजिम पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से 13.775 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जोरा तालाब के पास घेराबंदी कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर कार से करीब 6.77 लाख रुपये मूल्य का गांजा मिला। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट डिजायर कार और 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत 14.12 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने धमतरी और ओडिशा के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं मामले में 2 विधि से संघर्षरत बालकों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

किसान ने किया सुसाइड मामले में पड़ोसी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम फरहदा में घर और जमीन खाली कराने के लिए लगातार दबाव, गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकियों से परेशान होकर जहर खाने वाले व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफआत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा जोड़ते हुए कार्रवाई की है। डीएसपी डीआर टंडन ने बताया कि ग्राम फरहदा बजरंग चौक निवासी परमेश्वरी पटेल ने शुक्रवार को सीपत थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वे और उनका परिवार सरकारी जमीन पर बने मकान में रह रहे हैं। पड़ोस में रहने वाला बलराम यादव एक बुजुर्ग महिला को साथ लेकर उनके घर पहुंचा और जमीन को उसका बताते हुए मकान खाली करने का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर उसने घर में घुसकर अश्लील गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना से आहत परमेश्वरी के पति कनक पटेल ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी लंबे समय से कनक पटेल और उनके परिवार को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। मौत के बाद मामले में बीएनएस की धारा 108 (आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करना) जोड़ी गई। अधिकारियों के निर्देश पर आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। घटना के बाद फरार हुए आरोपी बलराम यादव को सीपत पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने गनियारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पीएम स्वनिधि से बदली सोहन की जिंदगी

रायपुर। राजधानी रायपुर के ब्रम्हदेईपारा, खमतराई निवासी फल व्यवसायी सोहन लाल साहू के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आर्थिक संकट के दौर में बड़ी मददगार साबित हुई। कोरोना संक्रमण काल में व्यवसाय प्रभावित होने से उनके परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी चुनौती बन गया था। सोहन लाल साहू ने बताया कि इसी दौरान रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से उनका आवेदन पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्वीकृत हुआ और उन्हें प्रथम चरण में 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने अपने फल व्यवसाय को दोबारा शुरू किया। समय पर ऋण चुकाने पर उन्हें दूसरे चरण में 20 हजार रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने अपने कारोबार का विस्तार किया। लगातार समय पर ऋण अदायगी और बेहतर रिकॉर्ड के चलते उन्हें तीसरे चरण में 50 हजार रुपये का ऋण भी स्वीकृत हुआ। इस आर्थिक सहायता से उन्होंने एक और ठेला खरीदा और वर्तमान में दो ठेलों के माध्यम से फल व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। सोहन लाल साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने कठिन समय में उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। उन्होंने इस योजना तथा रायपुर नगर पालिक निगम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना छोटे व्यवसायियों के लिए वरदान साबित हो रही है और उन्हें आगे बढ़ने का नया अवसर प्रदान कर रहो है।

नकाबपोश चोरों का मेडिकल दुकानों पर धावा, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

रायपुर। जिले के करहीभदर गांव में रविवार रात दो नकाबपोश चोरों ने मेडिकल दुकानों को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकानों के ताले तोड़कर अंदर घुसे और नकदी समेत जेवरात लेकर फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के करहीभदर गांव स्थित दो मेडिकल दुकानों में देर रात चोरी हुई। चोरों ने शटर का ताला तोड़कर प्रवेश किया ।

159 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों की दी सौगात

कार्यालयों के चक्कर नहीं, अब गांव में ही समस्याओं का निराकरण-साव....

■ उपमुख्यमंत्री श्री साव के आतिथ्य में डोंगा नाला में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

रायपुर/ संवाददाता

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज कोरबा जिले के विकासखण्ड पाली के ग्राम डोंगानाला में सुशासन तिहार के अंतर्गत जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग तथा नगरीय प्रशासन व विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने शिविर में 159 करोड़ 63 लाख 14 हजार की राशि के 18 विकास कार्यों की सौगात दी। जिसके अंतर्गत 153 करोड़ 66 लाख 61 हजार के कुल 8 कार्यों का भूमिपूजन, 5 करोड़ 96 लाख 53 हजार के 10 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। उन्होंने जिलेवासियों को विकास कार्यों के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, विधायक पाली तनाखार श्री तुलेश्वर मरकाम, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माया रूपेश कंवर, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, नगर पंचायत अध्यक्ष पाली श्री अजय जायसवाल, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री लखन पटले, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, निगमायुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को तेजी से आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार द्वारा विकास के कार्यों को दुगनी गति से पूरा किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि सरकार गठन के साथ ही 18 लाख पीएम आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। सरकार द्वारा 2 साल के धान का बकाया बोनस, 3100 रुपए प्रति क्विंटल व 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी कर किसानों का मान बढ़ाया। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। अब महिलाएं लखपति दीदी बनकर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरबा जिला सहित पाली तानाखार क्षेत्र में विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। पाली तानाखार विधानसभा में सभी प्रकार के निर्माण व अन्य प्रशासनिक काम तेजी से हो रहा है। अनेक विकास कार्यो के लिए डीएमएफसे पर्याप्त राशि क्षेत्र को मिल रहा है। श्री साव ने कहा सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की चिंता की जा रही है।

बच्चों एवं वृद्धों के मुख्य पोषण का आहार दूध.....

रायपुर/ संवाददाता

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक जून को विश्व दुग्ध दिवस मनाया जा रहा है। चिकित्सकों की राय में बच्चों एवं वयोवृद्धों के लिए कैल्सियम की कमी शरीर में एवं हड्डियों की मजबूती के लिए मुख्य आधार दूध ही है। एक समय जब भारत में दुग्ध उत्पादन काफी कम था। गुजरात के आनंद डेयरी ने सबसे पहले अमूल उत्पाद के जरिये देश भर में सहकारी सेक्टर में दुग्ध उत्पादकों को जोड़कर दुग्ध क्रांति की। इसके बाद दूध की कमी पूरे देश से खत्म हो गई। आज छग में दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से देवभोग न केवल दूध बल्कि दूध से बने उत्पाद खोवा, श्रीखंड, पेड़ा, पनीर सहित अनेक दुग्ध सामाग्री की बिक्री कर रहा है। छग शासन के सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव गणेश शंकर मिश्रा ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुग्ध उत्पादक किसानों को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर नमन करते हुए बधाई दी है। छोटों से लेकर बड़ों तक में दूध का सेवन स्वास्थ्य के लिए उत्तम माना जाता है। बीमारी चाही जैसी भी हो डाक्टर आमतौर पर मरीजों को फल के साथ ही दूध सेवन करने की सलाह देते है। आज दूग्ध उत्पादन की दिशा में छग आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुआहार में मूल्यों की वृद्धि के चलते रायपुर निजी दूध डेयरियों के माध्यम से दूध इन दिनों गाय का 70 रुपये एवं भैंस का 80 लीटर बिक रहा है। जबकि देवभोग गोरस एक लीटर दूध 55 से 60 रुपये लीटर के बीच बेचा जा रहा है। खोवा प्रति किलो 370 रुपये देवभोग पार्लर वाले बेच रहे हैं। जबकि निजी होटल संचालक व 400 रुपये किलो अधिक की दर पर बेच रहे हैं। सरकारी दुग्ध पार्लरों के जरिए बनने वाली मिठाईयों के दाम अभी भी कम है जबकि मिठाईयों की दुकान में बड़ी दुकानों से लेकर छोटी दुकानों तक में छह सौ रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक की मिठाई राजधानी में बिक रही है। सहकारी क्षेत्र के माध्यम से जहां राज्य शासन ने दुग्ध उत्पादकों को दूध उचित मूल्य पर लेकर लाभान्वित किया है वहीं सरकारी दूध पार्लर वाले भी उचित कमीशन पर दूध एवं अन्य सामाग्रियों की बिक्री कर लाभान्वित हो रहे है।

मैट्रिमोनियल साइट पर दोस्ती कर महिला को बनाया शिकार

■ नशीला भोजन खिलाकर लाखों के जेवर लेकर फरार हुए आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में ऑनलाइन मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिला से दोस्ती कर उसे ठगी और चोरी का शिकार बनाने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने महिला को जन्मदिन पार्टी के बहाने घर बुलाया, नशीला पदार्थ मिलाकर भोजन खिलाया और बेहोश होने पर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार खम्हारडीह निवासी एक महिला की पहचान करीब चार माह पहले जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से अभिनव सिंह नामक युवक से हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रही। 15 मई 2026 को अभिनव सिंह ने महिला को जन्मदिन मनाने के बहाने उसके घर पहुंचने की जानकारी दी। दोपहर में वह महिला के घर पहुंचा और साथ में भोजन किया। आरोप है कि भोजन के दौरान अभिनव सिंह ने चिकन को ठीक से नहीं पकने की बात कहकर दोबारा तैयार किया और उसमें नशीला पदार्थ मिलाकर महिला को खिला दिया। भोजन के कुछ देर बाद महिला बेहोश हो गई। अगले दिन होश आने पर उसने देखा कि उसके गले की सोने की चेन, अंगूठियां तथा आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर गायब हैं। वहीं आरोपी भी घर से फरार हो चुका था। महिला की शिकायत पर खम्हारडीह थाना में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) और पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना खम्हारडीह की संयुक्त टीम गठित की गई।

वित मंत्री श्री ओपी चौधरी ने जन्मदिवस पर किया सुंदर कांड पाठ, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

सुशासन तिहारके अंतर्गत चार जिलों की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास, धान उठाव और कृषि तैयारियों पर विशेष जोर दिया

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का संवेदनशील और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासनिक अमला सकारात्मक सोच और सार्थक प्रयासों के साथ कार्य करे, ताकि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचे और सुशासन की भावना जमीन पर दिखाई दे। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मंगलवार शाम कांकेर जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर और बस्तर जिलों में संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की जिलावार समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, जवाबदेह और परिणामोन्मुख कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने खरीदी केन्द्रों से धान उठाव की प्रक्रिया तेज करने तथा स्थानीय स्तर पर धान मिलिंग को बढ़ावा देने के लिए युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खरीफ सीजन को देखते हुए खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

भनपुरी की प्यास बुझाने निगम अलर्ट, टैंकरों से टेल एंड क्षेत्रों में राहत

रायपुर। शहर के कई हिस्सों में जलस्तर गिरने से पेयजल आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, लेकिन भनपुरी क्षेत्र में लोगों को राहत देने के लिए नगर निगम ने मोर्चा संभाल लिया है। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक-1 अंतर्गत बंजारी माता वार्ड में स्थित भनपुरी की 2000 किलोलीटर क्षमता वाली पुरानी पानी टंकी को पूरी क्षमता तक भरा जा रहा है, जबकि 3200 किलोलीटर क्षमता वाली नई टंकी में फिलहाल 80 से 85 प्रतिशत तक ही जलभराव हो पा रहा है। निगम प्रशासन के अनुसार ग्रीष्मकाल में अधिकांश बोरवेलों का जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिसके कारण पूरे शहर की जल व्यवस्था प्रभावित हुई है। इसके साथ ही टैंकरों के माध्यम से अतिरिक्त जलापूर्ति और वाटर बैलेंसिंग की तकनीकी चुनौतियों के चलते अंतिम छोर पर स्थित नई भनपुरी टंकी अपेक्षाकृत कम भर पा रही है। इधर बंजारी माता वार्ड के रामेश्वर नगर, बुनियाद नगर, कमल चौक और केबिनपारा जैसे टेल एंड क्षेत्रों में पानी का दबाव कम होने से आपूर्ति प्रभावित हुई है।

बागवानी फसलों से किसानों की आय में हो रही समृद्धि....

■ उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों मिल रहा तकनीकी मार्गदर्शन

रायपुर। संवाददाता

जिले में उद्यानिकी (बागवानी) फसलों की खेती किसानों के लिए आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ-साथ अब बड़ी संख्या में किसान बागवानी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जिले में सैकड़ों किसान सब्जी एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का उत्पादन कर बेहतर लाभ अर्जित कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि अंतर्वर्ती एवं विविध फसलों की खेती के परिणाम पहले भी उत्साहजनक रहे हैं और वर्तमान में भी किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। उनका कहना है कि लगातार एक ही प्रकार की फसल लेने से उत्पादन लागत बढ़ने, मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होने तथा मौसम संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत उद्यानिकी फसलों से किसानों को कम समय में बेहतर आमदनी प्राप्त हो रही है। अधिकारियों के अनुसार कोरबा जिले में उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए अनुकूल जलवायु और पर्याप्त कृषि भूमि उपलब्ध है। किसानों के अनुभव भी इस दिशा में सकारात्मक रहे हैं। पहले जहां अधिकांश किसान धान और अन्य पारंपरिक फसलों पर निर्भर थे।

खरीफ सीजन की तैयारियां तेज

किसानों को मांग अनुसार उपलब्ध कराया जा रहा खाद और बीज

■ जिले में 24 हजार टन से अधिक उर्वरक का भंडारण, सहकारी समितियों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर वितरण

रायपुर/ संवाददाता

जिला रायगढ़ में मानसून की दस्तक से पहले जिले के किसान आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं। खेतों की जुताई, बुआई की तैयारी और कृषि आदानों की व्यवस्था के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी से जुड़ी गतिविधियां तेज हो गई हैं। किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को उनकी मांग के अनुरूप खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, वहीं पात्र किसानों को नगद ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया भी निरंतर जारी है। कलेक्टर द्वारा इसकी लगातार समीक्षा भी की जा रही है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में खाद की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है तथा किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के लिए जिले में उर्वरकों के भंडारण और वितरण की व्यवस्था सुनियोजित ढंग से संचालित की जा रही है। खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक लगातार मॉनिटरिंग की जा

रही है, ताकि खेती के महत्वपूर्ण समय में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिले में अब तक विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का 24 हजार 138 टन से अधिक भंडारण किया जा चुका है। इनमें सहकारी संस्थाओं में 15 हजार 789 टन तथा निजी क्षेत्र में 8 हजार 348 टन उर्वरक उपलब्ध है। कृषि विभाग के अनुसार सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरकों की पहुंच और वितरण व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक लगभग 48 प्रतिशत तथा गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 52 प्रतिशत खाद का भंडारण किया जा चुका है। वहीं इस वर्ष उपलब्ध कराए गए भंडारण के विरुद्ध लगभग 46 प्रतिशत उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप खाद की आपूर्ति एवं भंडारण की प्रक्रिया चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से संचालित की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा जिले में गठित निगरानी दलों, उर्वरक निरीक्षकों तथा मैदानी अमले के माध्यम से सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। किसानों को उनके कृषि रकबे एवं आवश्यकता के अनुरूप नियमानुसार उर्वरकों का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

संपादकीय

समान हित के सिद्धांतों पर आधारित हो अमेरिका संग समझौता

तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर जिस तरह की शर्तें थोपीं, रूस से तेल खरीदने पर शुल्क में बढ़ोतरी की जिद ठानी, उससे साफ था कि वह इस मसले पर अपनी मनमानी थोपना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए वार्ता पिछले कई महीने से टुकड़ों में चलती रही है, लेकिन अब तक यह अंतिम स्वरूप में नहीं पहुंच सकी है। इसी क्रम में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने ताजा भारत दौरे में एक बार फिर कुछ नए संकेत दिए, जिसमें इस मसले पर कदम आगे बढ़ाए जाने की रूपरेखा बनती दिख रही है।हालांकि व्यापार वार्ता में अपने-अपने हित के मद्देनजर दोनों पक्षों की ओर से दबाव बनाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका ने एकतरफा तौर पर जिस तरह की कसौटियां तय करने की कोशिश की है, वह कई मायनों में भारत के लिए सहज स्वीकार्य नहीं रही हैं। यही वजह है कि अब तक इस समझौते का अंतिम स्वरूप सामने नहीं आ सका है।अब अमेरिका की ओर से रूबियो ने जिस तरह परस्पर हित सुनिश्चित किए जाने की बात की है, उससे इसमें सकारात्मक प्रगति की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि भारत के विदेश मंत्री के साथ व्यापक वार्ता के बाद रूबियो ने कहा कि यह व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए 'लाभकारी' और 'टिकाऊ' होगा। साथ ही यह अमेरिका और भारत के पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाएगा।निश्चित तौर पर अमेरिका की ओर से दिए गए ये संकेत बीते कुछ समय से आर्थिक मसले पर जारी तनाव के माहौल में नरमी लाने का जरिया हो सकते हैं, लेकिन यह देखने की बात होगी कि व्यापार समझौता अपने अंतिम रूप में 'परस्पर और समान हित' के सिद्धांत पर आधारित होता है या नहीं।यह छिपा नहीं है कि अमेरिका ने कुछ महीने पहले दूसरे देशों से आयात पर पच्चीस से लेकर पचास फीसद तक शुल्क लगा कर किस तरह के हालात पैदा करने की कोशिश की थी। उसके इस रुख की वजह से दुनिया भर में प्रकारांतर से व्यापार युद्ध जैसी स्थितियां पैदा हो गई थीं।खासतौर पर तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर जिस तरह की शर्तें थोपीं, रूस से तेल खरीदने पर शुल्क में बढ़ोतरी की जिद ठानी, उससे साफ था कि वह इस मसले पर अपनी मनमानी थोपना चाहता है। उसका यह रुख किसी भी तरह से 'परस्पर और समान हित' को सुनिश्चित किए जाने की मंशा के अनुकूल नहीं लगता।अभी भी अमेरिका यही संदेश दे रहा है कि भारत उससे जितना तेल खरीदना चाहता है, उतना देने के लिए वह तैयार है। सवाल है कि तेल के लिए अगर भारत की निर्भरता केवल अमेरिका पर बनती है, तो इसके नतीजे क्या होंगे? अमेरिका एक विकल्प जरूर हो सकता है, लेकिन अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जरूरी है कि भारत अपने लिए अन्य देशों के वैसे व्यापक और विश्वसनीय स्रोतों का रास्ता भी खुला रखे, जो ज्यादा बेहतर और सस्ते हों।पश्चिम एशिया में जारी तनाव की स्थिति और होर्मुज जलमार्ग से आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से गहराते संकट से सभी वाकिफ हैं। इसी को आधार बना कर आज सरकार तेल और गैस की कीमतों में लगातार इजाफा कर रही है और आम लोगों पर बोझ बढ़ता जा रहा है।

इन चुनौतियों के बीच पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उसे और विकसित किया जा सकता है। इस पर काम करने की जरूरत है। भारत कई संस्कृतियों का देश है। इतनी विविधता वाला राष्ट्र दुनिया में कहीं नहीं हैं। कृषि प्रधान देश होने के कारण भारत की एक अनूठी लोक संस्कृति भी है। ग्रामीण समाज के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है। अपने-अपने लोकगीत हैं और अपनी-अपनी लोक परंपराएं हैं। राजस्व बढ़ेगा, पूंजी कमाने का नया रास्ता निकलेगा अगर इनकी ओर देश और विदेश के पर्यटकों को आकर्षित किया जाए, तो हमारा राजस्व बढ़ेगा। विदेशी पूंजी कमाने का एक नया रास्ता निकलेगा।

पर्यटन में संभावनाओं की नई डगर, 'फॉर्मस्टे' की भूमिका हो सकती है महत्त्वपूर्ण

(सुरेश सेठ)

अगर हम लोक संस्कृति के वाहक बन कर पूरे देश के ग्रामीण परिवेश को पर्यटकों के लिए विशेष पर्यटन क्षेत्र बना दें, तो सोचिए, इससे राजस्व में कितनी वृद्धि हो जाएगी। हमारे देश में पर्यटन को विशेष महत्त्व दिया गया है। वैसे तो भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन कमाई पर्यटन क्षेत्र से होती है। इसको कई तरीके से वर्गीकृत कर देखा जा सकता है जैसे, चिकित्सा पर्यटन और धार्मिक पर्यटन। इस तरह के पर्यटन से विदेशी राजस्व भी प्राप्त हो जाता है, क्योंकि कई देशों से पर्यटक और यात्री भारत आते हैं और हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध करते हैं।रमणीक स्थलों के पर्यटन को भी कमाऊ माना गया है। पहाड़ों, नदी किनारे और समुद्र तट पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इस पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कई स्थलों का पुनरुद्धार कर पर्यटकों को आकर्षित किया गया है। आकर्षक पर्यटन स्थलों को देखने जब विदेश वे आते हैं, इससे देश को फायदा ही होता है।

मगर अब एक नया संकट हमारे सामने है। ईरान और अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल, गैस और उर्वरक का भारी संकट पैदा हो गया है। देश के शीर्ष नेतृत्व ने मितव्ययी होने का संदेश दिया है। सोना न खरीदने, पेट्रोल-डीजल बचाने और विदेशी यात्राएं कम करने की नसीहत दी गई है। लक्ष्य एक ही है कि विदेशी पूंजी बचाई जाए, ताकि विदेशी विनिमय में हम अपने बजट घाटे और चालू घाटे को संभाल सकें और डालर के मुकाबले रुपए के गिरते जाने से बचा सकें।

इन चुनौतियों के बीच पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उसे और विकसित किया जा सकता है। इस पर काम करने की जरूरत है। भारत कई संस्कृतियों का देश है। इतनी विविधता वाला राष्ट्र दुनिया में कहीं नहीं हैं। कृषि प्रधान देश होने के कारण भारत की एक अनूठी लोक संस्कृति भी है। ग्रामीण समाज के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है। अपने-अपने लोकगीत हैं और अपनी-अपनी लोक परंपराएं हैं।

राजस्व बढ़ेगा, पूंजी कमाने का नया रास्ता निकलेगा

अगर इनकी ओर देश और विदेश के पर्यटकों को आकर्षित किया जाए, तो हमारा राजस्व बढ़ेगा। विदेशी पूंजी कमाने का एक नया रास्ता निकलेगा। हमारे सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े बताते हैं कि कृषि क्षेत्र के मुकाबले सेवा क्षेत्र से कहीं अधिक राजस्व प्राप्त होता है। सेवा क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र मुख्य भागीदार है।

अगर पर्यटन क्षेत्र में हम लोक संस्कृति से परिचय का एक नया आयाम जोड़ दें, तो पर्यटकों की एक बड़ी संख्या हमारे सामने होगी। देश के कई कोने पर्यटन का आकर्षण बन जाएंगे। भारत में विदेशी पर्यटकों की आमद इस तरह भी बढ़ाई जा सकती है। हमारी घरेलू दस्तकारियां, हमारे अनूठे लोक नृत्य और ग्रामीण समाज का लोक व्यवहार पर्यटकों के लिए बहुत बड़ा आकर्षण का केंद्र है। बस इसको और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इससे हम विदेशी पर्यटकों के लिए भारत में एक नई दुनिया खोज सकते हैं।

पिछले दिनों पंजाब में एक नई नीति शुरू हुई है जिसे 'होमस्टे नीति' कहा जाता है। इसमें पंजाबी संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने का 'मास्टर प्लान' बनाया गया है। 'होमस्टे' को लेकर नवाचार या उससे जुड़े नव उद्यमियों के लिए आनलाइन पंजीकरण की नीति बनाई गई है। यह भी घोषणा की गई है कि ऐसे उद्यमियों को योजनाबद्ध तरीके से पांच करोड़ तक की सबसिडी दी जा सकती है।

मगर पंजाब ही क्यों, हम इसका विस्तार देश के हर राज्य में कर सकते हैं, क्योंकि हर राज्य की ग्रामीण संस्कृति और उसका लोकाचार और व्यंजन अलग-अलग हैं। इसे बढ़ावा दें, तो पर्यटक देश के हर कोने में जाना पसंद करेंगे। इस प्रकार हम देखते ही देखते पूरे देश को पर्यटकों के लिए आकर्षक स्थल बना सकते हैं। पंजाब में जो योजना बनाई गई है, इसका नाम 'फार्मस्टे पालिसी 2026' दिया गया है।

आजकल होटलों के अतिरिक्त रमणीक स्थलों पर आने वाले नव दंपतियों या विदेशी पर्यटकों को 'होमस्टे' की सुविधा दी गई है। हिमाचल और उत्तराखंड की सरकारें इस तरह के निवेश को अपने यहां प्रोत्साहित कर रही है। अब पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाया जा सकता है। पंजाब ने इस दिशा में पहल कर दी है। अब यहां किसान पर्यटकों को ठहराने, खाने-पीने और ठेठ ग्रामीण जीवनशैली का अनुभव कराने की सुविधा शुरू कर सकेंगे।

पूरे देश में छोटे किसानों की की बड़ी संख्या

ध्यान देने की बात है कि पंजाब ही नहीं पूरे देश में छोटे किसानों की की बड़ी संख्या है, जिनके पास औसत क्षेत्र दो एकड़ से पांच एकड़ तक जमीन है। इससे आय इतनी कम होती है कि उनका जीना मुश्किल हो जाता है। आजादी के इतने साल गुजर जाने के बाद भी वे अपनी खेती को व्यावसायिक नहीं बना सके और आज भी उन्हें मानसून पर निर्भर रहना पड़ता है।

मगर अब यह सहारा भी कमजोर पड़ने लगा है। पर्यावरण पर प्रदूषण की मार का असर उन पर भी पड़ा है। बारिश के मौसम में भीषण गर्मी पड़ती है और जब फसलें पकने लगती हैं तो बारिश होने लगती है। ऐसी स्थिति में किसानों को अतिरिक्त आय की जरूरत है। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को जो इस समय खेतीबाड़ी में हाथ बंटा कर परिवार की मदद करती हैं। उनको अतिरिक्त आय का साधन दिया जा सकता है।

वह साधन है- 'फार्मस्टे'। इसमें इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण हो सकती है। वे पर्यटकों को ठहराने और ग्रामीण जीवनशैली से परिचित कराने में सहयोग कर आय का उपार्जन कर सकती हैं।

अगर हम लोक संस्कृति के वाहक बन कर पूरे देश के ग्रामीण परिवेश को पर्यटकों के लिए विशेष पर्यटन क्षेत्र बना दें, तो सोचिए, इससे राजस्व में कितनी वृद्धि हो जाएगी। यही सोच कर पंजाब ने नई नीति बनाई है। पहाड़ों में बने 'होमस्टे' की तर्ज पर 'फार्मस्टे' को विकसित किया जा रहा है। ऐसा हर राज्य क्यों न करें? सभी राज्यों की अपनी लोक संस्कृति है और अपना ग्रामीण आकर्षण।

पंजाब आने वाले पर्यटक खेतों में रह कर ट्रैक्टर चलाने, बैलगाड़ी की सवारी करने, पशुपालन देखने और गांवों के पारंपरिक खानपान व रहन-सहन को करीब से महसूस कर सकेंगे। इसी प्रकार हर राज्य अपनी-अपनी ग्रामीण संस्कृति के अनूठेपन और अपने लोकगीतों एवं लोकनृत्यों से पर्यटकों को लुभा सकता है।

पंजाब में यह तय किया गया कि इस तरह के पर्यटन के लिए किसान के पास कम से कम एक एकड़ कृषि भूमि जरूर हो। इस प्रकार यहां के छोटे किसानों को अतिरिक्त आय का एक साधन मिल गया है। पंजाब में बनी नई नीति में साफ किया गया है कि कुल जमीन के केवल दस फीसद हिस्से पर ही निर्माण किया जा सकेगा, जबकि बाकी 90 फीसद क्षेत्र खुला रखना होगा, ताकि पर्यटकों के लिए खेती और उसका प्राकृतिक स्वरूप बना रहे।

पंजाब में इस परियोजना पर निवेश में दस फीसद सबसिडी मिलेगी। इसकी अधिकतम सीमा पंच करोड़ है। विदेशी पर्यटक आते हैं तो 'फार्मस्टे' संचालक को 24 घंटे के भीतर फार्म-सी भरकर प्रशासन को सूचना देनी होगी और ध्यान रखना होगा कि उनका 'फार्मस्टे' ग्रामीण परिवेश को बरकरार रखे। गांवों की शांति और सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। यह योजना अपने आप में महत्त्वपूर्ण है।

इससे पहले निर्यात के लिए भी हर राज्य की दस्तकारी को विशेष रूप से प्रोत्साहन देने की योजना बनाई गई थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। मगर इस योजना में क्योंकि साधारण व्यक्ति का अपना उद्यम शामिल है, इसलिए इसके कामयाब होने की गुंजाइश काफी अधिक है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध ना होकर अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हार्मुज संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

भले ही 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की संभावना ना हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात ना हो फिर भी एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। चाहे एशिया के देश हो या फिर योरोपीय देश सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल ही हो रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल-एलपीजी-सीएनजी- पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हांलाकि वर्तमान हालातों में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये या आंदोलन-प्रदर्शन करें पर अंतरराष्ट्रीय हालातों से आंख नहीं मूंदनी चाहिए। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए। वैसे भी जब संकट का दौर हो और उस संकट के लिए हम या हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं हो तो फिर देश में नकारात्मक माहौल बनाने के स्थान पर सकारात्मक माहौल बनाया जाना चाहिए। यह किसी एक व्यक्ति या किसी एक दल का नहीं अपितु सभी राजनीतिक दलों का दायित्व हो जाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध ना होकर अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हार्मुज संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से और बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है।

आज की दुनिया आइसोलेटेट दुनिया नहीं है। एक देश की दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाएं तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि के कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लोजिस्टिक का हो तो उसका सीधा सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ ही वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रश्न है देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं। खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह से अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों में अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया हैं तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। हो तो यहां तक रहा हैं कि बैंकों द्वारा जमाओं पर ब्याज दर में कमी लाना शुरु कर दिया है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। पर यह साफ हो जाना चाहिए कि कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक पूरी तरह से संकट समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजरायल ने ईरान से लड़ाई शुरु करते समय रुस यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रुस के सामने यूक्रेन पिद्दी सा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है। पर अमेरिका ने यह सोचा था कि दो-तीन दिन में ही ईरान को घुटने टिकवा देंगे और यही अमेरिका की नासमझी रही। मानो या ना मानो पर वास्तविकता यह है कि आज अमेरिका के सामने अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने का संकट आ गया है और यही कारण है कि अंदरखाने अमेरिका और ट्रंप किसी भी तरह से सीज फायर के लिए प्रयासरत है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि युद्ध में नुकसान अमेरिका को ही अधिक हो रहा है। ईरान तो अपने घर से लड़ रहा है और उसके निशाने पर आसपास के देश है। ऐसे में स्टेक तो अमेरिका-इजरायल का ही हो जाता है। इसके अलावा एक बात और समझनी होगी कि ट्रंप 2 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आये दिन तुगलकी फरमान जारी कर दुश्मन ही दुश्मन बनाएं है। गली के गुंडे जैसी पहचान बन गई है ट्रंप की तो दूसरी और अमेरिका के ही अधिकांश लोगों का भरोसा ट्रंप ने खो दिया है। ऐसे में सम्मानजनक सीजफायर ही अमेरिका के लिए अब इस संकट से निकलने का रास्ता रह गया है और इसके लिए ही अंदरखाने प्रयास जारी है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार है।)

स्पंदनों का संगीत, जीवन का कैनवास और भीतर के रंग

जीवन कोई समस्या नहीं, जिसे हल किया जाए, यह एक संगीत है, जिसे सुना जाए, जिया जाए और पूरी सजगता के साथ रचा जाए

जीवन में कंपन का अर्थ केवल भौतिक विज्ञान की किसी परिभाषा से नहीं है। यह एक ऐसा अनुभव है, जो भावनाओं, विचारों और चेतना के स्तर पर घटित होता है। हम कभी बिना किसी स्पष्ट कारण के प्रसन्न हो जाते हैं, तो कभी भीतर एक अनजानी उदासी उतर आती है। ये भावनाएं केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि हमारे भीतर चल रहे स्पंदनों की अभिव्यक्ति होती हैं। यही कारण है कि दो लोग एक ही परिस्थिति में अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया करते हैं, क्योंकि उनके भीतर के कंपन अलग होते हैं।

(मनीषा मंजरी)

अक्सर हम जीवन को उन दृश्यों में बांध देते हैं, जो हमारी आंखों के सामने घटित होते हैं। जैसे रोजमर्रा की घटनाएं, सफलताएं, असफलताएं, रिश्ते और समय के साथ बदलते हालात। मगर जीवन का एक और आयाम भी है, जो दृश्य नहीं है, फिर भी उतना ही वास्तविक है। यह आयाम है कंपन, स्पंदन, वह सूक्ष्म ऊर्जा, जो हमारे भीतर और चारों ओर निरंतर बहती रहती है। हम उसे देख नहीं पाते, फिर भी हम उसे महसूस अवश्य करते हैं। जैसे रंगों का प्रभाव केवल उनकी आकृति या चमक में नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा में छिपा होता है, वैसे ही जीवन की गहराई भी उसकी अनदेखी तरंगों में बसती है।

जीवन में कंपन का अर्थ केवल भौतिक विज्ञान की किसी परिभाषा से नहीं है। यह एक ऐसा अनुभव है, जो भावनाओं, विचारों और चेतना के स्तर पर घटित होता है। हम कभी बिना किसी स्पष्ट कारण के प्रसन्न हो जाते हैं, तो कभी भीतर एक अनजानी उदासी उतर आती है। ये भावनाएं केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि हमारे भीतर चल रहे स्पंदनों की अभिव्यक्ति होती हैं। यही कारण है कि दो लोग एक ही परिस्थिति में अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया करते हैं, क्योंकि उनके भीतर के कंपन अलग होते हैं।

जीवन 'घटनाओं' का नहीं, 'अनुभवों' का नाम है

दरअसल, जीवन 'घटनाओं' का नहीं, बल्कि 'अनुभवों' का नाम है और ये अनुभव हमारे भीतर के स्पंदनों से निर्मित होते हैं। जब हम यह समझने लगते हैं, तो हमारी दृष्टि अपने आप ही बाहर से भीतर की ओर मुड़ने लगती है। हम यह प्रश्न पूछने लगते हैं कि हमारे भीतर क्या चल रहा है या हमारी भावनाओं का स्रोत क्या है! यह भी कि क्या हम अपने अनुभवों के साक्षी बन सकते हैं! और यहीं से आत्मबोध की यात्रा प्रारंभ होती है।

इस यात्रा में सबसे बड़ी बाधा है, हमारी आदत, जो हर अनुभव को तुरंत नाम देने को आतुर होती है। हम हर भावना को 'अच्छा' या 'बुरा' कहकर सीमित कर देते हैं, लेकिन हम अगर इन स्पंदनों को बिना किसी निर्णय के देखें, तो वे केवल ऊर्जा के रूप में प्रकट होते हैं। एक शुद्ध, गतिशील ऊर्जा, जो आती है और चली जाती है। इस दृष्टि से, जीवन एक स्थिर वस्तु नहीं, बल्कि एक सतत परिवर्तनशील प्रक्रिया है।

यह एक प्रवाह है, जिसमें हर क्षण कुछ नया जन्म लेता है और कुछ पुराना विलीन हो जाता है। और इसी प्रवाह में, हम अक्सर स्वयं को भूल जाते हैं, क्योंकि हम उन तरंगों से जुड़ जाते हैं, जो अस्थायी हैं। अगर हम इस भूल को पहचान लें, तो जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। हम यह समझने लगते हैं कि हमें हर भावना के साथ बहना नहीं है, बल्कि उसे देखना-समझना और उसके पार जाना है। इसी अवस्था में 'जीवन' एक अनुभव से उठकर एक 'साधना और कला' बन जाता है।

इस संदर्भ में 'कलाकार' का रूपक अत्यंत सार्थक है। एक कलाकार जब अपने कैनवास पर रंग भरता है, तो वह केवल बाहरी चित्र नहीं बनाता, बल्कि अपनी आंतरिक स्थिति को व्यक्त करता है। उसके रंग उसके भीतर के स्पंदनों का रूप होते हैं। ठीक उसी प्रकार, हमारा जीवन भी एक कैनवास है और हमारे विचार, भावनाएं और कर्म उसके रंग हैं। मगर यहां हम केवल कलाकार ही नहीं, बल्कि स्वयं कैनवास भी हैं। यानी हम ही सृजनकर्ता हैं और हम ही सृजन। यह द्वैत और अद्वैत के बीच का वह सूक्ष्म बिंदु है, जहां जीवन अपनी सबसे गहन अनुभूति में प्रवेश करता है।

जब हम अपने विचारों को सजगता से देखने लगते हैं, तो हमें यह एहसास होता है कि हर विचार एक बीज है, जो भविष्य के अनुभवों को जन्म देता है। हर भावना एक तरंग है, जो हमारे भीतर और बाहर दोनों को प्रभावित करती है। और हर कर्म उस तरंग को एक दिशा देता है।

'जीवन का संगीत' एक अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर रूपक है

इस प्रकार, हम अनजाने में ही अपने जीवन का संगीत रचते रहते हैं। 'जीवन का संगीत' एक अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर रूपक है। संगीत में स्वर होते हैं, लय होती है और एक संतुलन होता है। अगर कोई स्वर असंतुलित हो जाए, तो पूरी रचना प्रभावित हो जाती है। इसी प्रकार, हमारे जीवन में भी संतुलन आवश्यक है। यह संतुलन बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर की सजगता से आता है। जब हमारे विचार, भावनाएं और कर्म एक ही दिशा में प्रवाहित होते हैं, तो जीवन में एक स्वाभाविक लय उत्पन्न होती है। जब यह लय स्थापित हो जाती है, तो जीवन में एक सहज सुंदरता प्रकट होती है, एक ऐसी सुंदरता, जो किसी प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि एक आंतरिक सामंजस्य का प्रतिबिंब होती है।

हालांकि जीवन में असंतुलन भी अति महत्त्वपूर्ण है। जैसे संगीत में आरोह-अवरोह, विराम और तीव्रता उसे पूर्ण बनाते हैं, वैसे ही जीवन के उतार-चढ़ाव भी उसे गहराई देते हैं। दुख, संघर्ष और अनिश्चितता- ये सब भी उसी संगीत का हिस्सा हैं। इनसे बचने की नहीं, इन्हें समझने की आवश्यकता है। जब हम जीवन को इस दृष्टि से देखना प्रारंभ करते हैं, तो धीरे-धीरे हमारे भीतर एक नई संवेदनशीलता जन्म लेती है। हम अपने अनुभवों को केवल 'जीने' के बजाय 'महसूस' करने लगते हैं। हम हर क्षण में उपस्थित होने लगते हैं।

यही उपस्थिति हमें उस अदृश्य स्पंदन के और करीब ले जाती है, जो जीवन का मूल है। जीवन कोई बाहरी यात्रा नहीं है, जिसे हमें तय करना है। यह एक आंतरिक प्रक्रिया है, जिसे हमें अनुभव करना है। हम जितना अपने भीतर के स्पंदनों को समझते हैं, उतना ही जीवन स्पष्ट होता जाता है। और एक समय ऐसा आता है, जब हम यह अनुभव करते हैं कि जीवन को समझने की आवश्यकता ही नहीं है, उसे केवल महसूस करने की आवश्यकता है। जीवन कोई समस्या नहीं, जिसे हल किया जाए, यह एक संगीत है, जिसे सुना जाए, जिया जाए और पूरी सजगता के साथ रचा जाए। जब हम इस संगीत को सच में सुन लेते हैं, तब हमें यह एहसास होता है, कि हम केवल श्रोता नहीं, बल्कि स्वयं उस अनंत रचना का एक जीवंत स्वर हैं।

विकास की नई इबारत लिख रहा बिलासपुर, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता : तोखन साहू

जनता के विश्वास को और मजबूत बना रहा सुशासन तिहार : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

बिलासपुर। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव सुशासन तिहार के अंतर्गत बिलासपुर के पुत्रीबाई स्कूल सामुदायिक भवन में आयोजित जिला स्तरीय शहरी समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। बिलासपुर के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शिविर में कहा कि जनता के प्रति जवाबदेही ही वास्तविक सुशासन है। सुशासन तिहार ने शासन के प्रति लोगों के विश्वास को और अधिक मजबूत किया है। न्यायधानी बिलासपुर को उसकी पहचान और गरिमा के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अतिथियों ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 12 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से अरपा राम सेतु से शनिचरी रपटा तक सड़क, नाला एवं पिचिंग कार्य तथा 5 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक आरसीसी बॉक्स निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कुल 18 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक के लागत के इन विकास कार्यों से शहर की अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास को और सशक्त बनाने का अभिनव अभियान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। प्रदेश विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। साहू ने कहा कि बिलासपुर आज तेजी से बदलती हुई न्यायधानी के रूप में उभर रहा है। फोरलेन सड़कों का निर्माण, एयरपोर्ट विस्तार की दिशा में हो रहे प्रयास तथा कोपरा जलाशय का रामसर साइट के रूप में चयन इस क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। बिलासपुर के समग्र विकास के लिए आवश्यक हर सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान और शासन के प्रति उसका बढ़ता विश्वास ही सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुशासन तिहार ने शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम तैयार किया है, जिससे लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता मिल रही है। उन्होंने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर को उसकी पहचान के अनुरूप विकसित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। विगत दो वर्षों में जिले में 412 करोड़ 57 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत और संचालित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकास की यह गति आगे भी जारी रहेगी और न्यायधानी को प्रदेश के सबसे विकसित शहरों में शामिल किया जाएगा। साव ने पुत्रीबाई सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवॉल एवं शौचालय निर्माण के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

जिले में खाद-बीज की उपलब्धता संतोषजनक, किसानों को समय पर प्रदाय किया जा रहा कृषि आदान

कांकेर। खरीफ सीजन 2025-26 के लिए जिले में किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिले में खाद एवं बीज के भंडारण तथा वितरण की स्थिति की समीक्षा के अनुसार वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में कृषि आदान उपलब्ध है। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कोमरा ने बताया कि विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप भंडारण एवं वितरण की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जिले के लिए कुल 64560 मेट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें यूरिया 28060 मेट्रिक टन, डीएपी 10500 मेट्रिक टन, एनपीके 11000 मेट्रिक टन, एस.एस.पी. 9000 मेट्रिक टन तथा एमओपी 6000 मेट्रिक टन शामिल हैं। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण किया गया है, जिसके अंतर्गत वर्तमान में यूरिया 15097.197 मेट्रिक टन, डीएपी 3752.625 मेट्रिक टन, एनपीके 8588.41 मेट्रिक टन, एस.एस.पी. 6368.25 मेट्रिक टन तथा एमओपी 3067.27 मेट्रिक टन उपलब्ध है। साथ ही सहकारी समितियों एवं अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को उर्वरकों का सुचारू वितरण किया जा रहा है, जिसके तहत् अब तक यूरिया 6193.635 मेट्रिक टन, डीएपी 1523.75 मेट्रिक टन, एनपीके 2889.67 मेट्रिक टन, एस.एस.पी. 2003.45 मेट्रिक टन तथा एमओपी 1098.15 मेट्रिक टन का वितरण किया जा चुका है। साथ ही विभाग द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की नियमित निगरानी कर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को मिली बड़ी राहत, पहले चरण में 12 हजार से अधिक हितग्राहियों के खातों में पहुंचे 12 करोड़ रुपये

बीजापुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए संग्रहण पारिश्रमिक (मजदूरी) दर में भारी बढ़ोतरी की है। इसके तहत अब संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5500 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा, चरणपादुका योजना फिर से शुरू करके संग्राहकों को सुरक्षा और आर्थिक संबल प्रदान किया गया है। तेन्दूपत्ता संग्रहण सीजन 2026 के तहत छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों को आर्थिक संबल मिलना शुरू हो गया है। राज्य शासन द्वारा तेन्दूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक भुगतान की प्रक्रिया तेजी से प्रारंभ कर दी गई है। इसी कड़ी में बीजापुर जिले के अंतर्गत प्रथम चरण में 12 हजार 379 संग्राहकों के बैंक खातों में 12 करोड़ रुपये की राशि सीधे ऑनलाइन (डीबीटी के माध्यम से) हस्तांतरित की गई है। बीजापुर जिले की 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 45 लॉटों में कुल 40 हजार 716 संग्राहकों ने 65 हजार 430.359 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया है। शासन द्वारा निर्धारित 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से जिले के संग्राहकों को कुल 35.99 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक भुगतान किया जाना है। इसके अलावा 500 गड्डी से अधिक तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले संग्राहकों को शासन की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। योजना के तहत परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख तथा दुर्घटना से मृत्यु होने पर 4 लाख तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी आर्थिक सहायता का प्रावधान है। भुगतान के पहले चरण में जिले की प्रमुख समितियों के बैंक खातों में राशि सीधे (डीबीटी के माध्यम से) जमा की गई है। प्राथमिक वनोपज समिति लाभान्वित संग्राहक हस्तांतरित राशि गुड्मा समिति के 1,912 संग्राहकों को 1.95 करोड़ रुपये, कुटरू समिति के 937 संग्राहकों को 1.29 करोड़ रुपये, तोयनार समिति के 961 संग्राहकों को 1.20 करोड़ रुपये तथा बरदेला समिति के 1,023 संग्राहकों को 1.11 करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में सीधे जमा की गई है। इसके अलावा संतोषपुर, भैरमगढ़, माटवाड़ा, कोडोली, नैमेड़, भद्रकाली और चेरपाल्ली सहित अन्य समितियों के संग्राहकों को भी लाखों रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया गया है। शेष समितियों में संग्रहित मात्रा का सत्यापन और ऑनलाइन एंट्री का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है, जिसके पूरा होते ही सभी पात्र संग्राहकों को भुगतान कर दिया जाएगा।ः वनोपज आधारित आजीविका

दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम विष्णुदेव साय

विकास, विश्वास और सुशासन का सेतु बना कोण्डापल्ली का बेली ब्रिज'

बीजापुर। जहां कभी दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां विकास की राह में चुनौती बनती थीं, वहां आधुनिक अधोसंरचना नए अवसरों के द्वार खोल रही है। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचकर बीजापुर-पूवर्ती मार्ग पर निर्मित बेली ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल की निर्माण तकनीक, उपयोगिता और क्षेत्र के विकास में उसकी भूमिका की जानकारी लेते हुए इसे बदलते बस्तर की नई तस्वीर का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाएं केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि वे दूरस्थ क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाले मजबूत माध्यम हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो।

कम समय, कम लागत और अधिक मजबूती की तकनीक

भारतीय सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित यह बेली ब्रिज बीजापुर-पूवर्ती सड़क परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बेली ब्रिज पारंपरिक पुलों की तुलना में अधिक किफायती, मजबूत और टिकाऊ होते हैं। इनका निर्माण सामान्य पुलों की अपेक्षा लगभग पांच गुना कम लागत में किया जा सकता है तथा इन्हें मात्र एक माह के भीतर तैयार किया जा सकता है। दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए यह तकनीक अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

बीजापुर में 21 बेली ब्रिज बने विकास के वाहक

उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले में अब तक 21 बेली ब्रिजों का निर्माण किया जा चुका है। इन पुलों के निर्माण से दूरस्थ गांवों तक आवागमन सुगम हुआ है तथा लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच में बड़ी राहत मिली है। इन संरचनाओं ने क्षेत्र में विकास और जनसेवाओं के विस्तार को नई गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के श्रमिक और युवा ही विकास यात्रा के वास्तविक निर्माणकर्ता हैं। उन्होंने श्रमिकों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके अनुभव भी साझा किए।

बदलते बस्तर की नई पहचान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में अधोसंरचना विकास के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण हो रहा है। कोण्डापल्ली का यह बेली ब्रिज केवल एक पुल नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और सुशासन का सशक्त प्रतीक है। यह उस नए बस्तर की पहचान है, जहां विकास अब दूरस्थ गांवों और दुर्गम अंचलों तक मजबूती से पहुंच रहा है तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

जेसीबी मशीन से कराए तालाब गहरीकरण के मस्टरोल में नाम डालने एक एक हज़ार रुपए की मांग

गरियाबंद। देवभोग विकासखंड के ग्राम पंचायत मौखगुड़ा में मनरेगा के तहत स्वीकृत रयाडोंगरी पहाड़ के समीप तालाब गहरीकरण जेसीबी मशीन से कराकर पंचों के द्वारा चयनित और एक एक हज़ार रुपए देने की हामी भरने वाले मजदूरों का नाम मस्टरोल में नाम डाला जा रहा है जिसकी शिकायत लालेन्द्र कश्यप ने आज मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार नारंगे से करते हुए बताया कि रताडोंगरी पहाड़ के समीप तालाब पर बीते एक सप्ताह से जेसीबी मशीन से खुदवाई किया गया और एक एक हज़ार देने पर हामी भरने वाले मजदूरों का नाम चढ़ाया जा रहा है बीते हफ्ता ऐसे ही मजदूरों का नाम मस्टरोल में उल्लेख है जो एक घमेला मिट्टी नहीं निकले है सिर्फ और सिर्फ फोटो खिंचवाए और मजदूरी ले लिया हालाँकि उक्त राशि से एक एक हज़ार पंचायत के जिम्मेदारों को देने पर हामी हुआ है जिन्होंने एक हज़ार देने से मना कर दिया उन्हें तालाब गहरीकरण में मजदूरी देने से साफ-साफ इंकार कर रहे है, जिसे देख तालाब गहरीकरण के कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि रताडोंगरी के समीप तालाब गहरीकरण का कार्य मजदूरों के बजाय जेसीबी मशीन कराया जाना दुर्भाग्य है, क्योंकि पहले की तुलना वर्तमान में मनरेगा से मजदूरी नहीं मिल पा रहा हैं। बावजूद इसके जेसीबी मशीन से काम कराकर मजदूरों के हक में डाका डालने का दिन दहाड़े जिम्मेदारों के निगरानी में हो रहा है। इस बीच मनरेगा अधिकारी शिवकुमार नारंगे जेसीबी मशीन से काम करने और रोजगार नहीं देने की शिकायत पर भड़कते रोजगार सहायक दूरभाष के माध्यम से जमकर फटकार लगाया। साथ ही शिकायतकर्ता लालेन्द्र कश्यप को तालाब गहरी करण कार्य में रोजगार दिलाने के साथ साथ शिकायत की जांच कर उचित कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

जाबकार्डधारियो को काम दिलाने की माँग

हाल फिलहाल में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण जैसे अन्य रोजगारमूलक कार्य स्वीकृत हुआ है, उसमें भी चेहरा देख-देख अपने चहते को मजदूरी दिया जा रहा है। ऐसे में कई मजदूर मजदूरी से वंचित हो चुके हैं। इसलिए स्थानीय अधिकारियों गुहार लगाते सभी जाबकार्डधारियो को रोजगार मूलक काम से जोड़ने की मांग कर रहे हैं। क्योंकि मनरेगा में मजदूरी के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है, इसलिए मनरेगा काम करते है या फिर पलायन की ओर रुख कर लेते हैं।

जेसीबी मशीन से कराए कार्य की जांच

तालाब गहरीकरण को देख प्राथमिक तौर पर आराम से कहा जा सकता है कि जेसीबी मशीन से खुदवाया गया है। मतलब सैकड़ों मजदूरों का काम को चंद घंटे में करा लिया और मजदूरों को कुछ दिन का मानव दिवस देकर स्वीकृत राशि खत्म होने का पल्ला झाड़ लेंगे। इस स्थिति में हफ्ता भर का काम मिलना भी मुश्किल है। इसलिए जेसीबी मशीन से कराए गए गहरीकरण कार्य की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाई किया जाए, ताकि आगामी समय मजदूरों के मजदूरी में ना मार सके।

छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के तहत आयोजित बैठक में हितग्राहियों को दी गई व्यवसाय संचालन, ऋण सुविधा एवं पर्यटन संभावनाओं की जानकारी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के अंतर्गत नए हितग्राहियों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के पर्यटन सूचना केंद्र जगदलपुर द्वारा जिला पंचायत बस्तर के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में इच्छुक हितग्राहियों ने भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नए हितग्राहियों को होमस्टे व्यवसाय की बारीकियों से परिचित कराना, उन्हें पर्यटन आधारित स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना तथा छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति जागरूक करना था। इस सराहनीय पहल से बस्तर में सामुदायिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होने की प्रबल उम्मीद है। बैठक के दौरान उपस्थित हितग्राहियों से उनके प्रस्तावित होमस्टे के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। अधिकारियों ने विशेष रूप से यह जाना कि हितग्राही किस स्थान पर होमस्टे स्थापित करना चाहते हैं और उस क्षेत्र के आसपास कौन-कौन से पर्यटन स्थल या आकर्षण मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार स्थानीय प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध क्षेत्रों में होमस्टे विकसित होने से पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस अवसर पर हितग्राहियों को होमस्टे व्यवसाय के सफल संचालन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। उन्हें मुख्य मुख्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। अतिथि सत्कार के लिए पर्यटकों का स्वागत और आतिथ्य प्रबंधन, स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन, सुविधाएं व मार्केटिंग के रूप में पर्यटकों को दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं और डिजिटल प्रचार-प्रसार के तरीके, छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के प्रावधान, पात्रता शर्तें एवं आवेदन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के अधिकारियों ने योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी दी। उन्होंने हितग्राहियों को ऋण सुविधा, ब्याज अनुदान तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से समझाया और आश्वस्त किया कि शासन की सहायता तथा बैंकिंग सहयोग से इच्छुक हितग्राही अपने होमस्टे व्यवसाय को सफलतापूर्वक स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित जिला पंचायत बस्तर के सहायक परियोजना अधिकारी, तपन डे ने हितग्राहियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं पर्यटन स्थलों की विविधता होमस्टे व्यवसाय के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करती है।

विधायक नीलकंठ टेकाम के प्रयासों से सर्व आदिवासी समाज और गोंडवाना समाज को मिली ऐतिहासिक सौगात

केशकाल। जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम बड़े कनेरा में आयोजित सुशासन तिहार के जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान विधायक नीलकंठ टेकाम की दो महत्वपूर्ण मांगों पर तत्काल सहमति प्रदान करते हुए केशकाल में सर्व आदिवासी समाज के लिए बहुउद्देश्यीय काम्प्लेक्स सह विश्राम गृह तथा विश्रामपुरी में गोंडवाना समाज के लिए 3 करोड़ रुपये की लागत से गोंडवाना भवन सह कॉम्प्लेक्स के निर्माण की घोषणा की। बताया जा रहा है कि यह मांग लंबे समय से क्षेत्र की जनता एवं आदिवासी समाज द्वारा उठाई जा रही थी, लेकिन अब तक इसे मूर्त रूप नहीं मिल पाया था। विधायक नीलकंठ टेकाम के लगातार प्रयासों और पहल के परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री ने मंच से ही दोनों भवनों की घोषणा कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी है।

जानिए क्या है बहुउद्देश्यीय मल्टीकाम्प्लेक्स

इस संबंध में विधायक नीलकंठ टेकाम ने बताया कि यह कोई सामान्य सामुदायिक भवन नहीं होगा, बल्कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुउद्देशीय कॉम्प्लेक्स सह विश्राम गृह के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भवन के सबसे निचले तल में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय युवाओं और समाज के लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसके ऊपर के तल में आदिवासी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के लिए सांस्कृतिक प्रदर्शनी केंद्र तथा आधुनिक लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी, जहां विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हो सकेंगी। भवन के तीसरे तल में विश्रामगृह एवं विशाल मीटिंग हॉल का निर्माण किया जाएगा, जिसका उपयोग आदिवासी समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के लोग भी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए कर सकेंगे। विधायक टेकाम ने कहा कि इन भवनों का उद्देश्य केवल समाज विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सर्वसमाज के उपयोग के लिए तैयार किए जाने वाले आधुनिक सामाजिक केंद्र होंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष व मंडल अध्यक्षों ने भी जताया आभार

बता दें कि इन दोनों भवनों के लिए विधायक नीलकंठ टेकाम के साथ साथ भाजपा जिलाध्यक्ष सेवकराम नेताम एवं सभी 6 मंडल अध्यक्षों ने भी सीएम साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिसमें केशकाल- लंबोधर सलाम, विश्रामपुरी- मनाराम मरकाम, बडेराजपुर- लालाराम मरकाम, बड़ेडोंगर- महेंद्र सलाम, फरसगांव- घनराज पांडे, धनोरा- संतोष सिन्हा शामिल हैं।

विधायक टेकाम ने समाज की ओर से जताया आभार

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इन भवनों के निर्माण से जहां आदिवासी समाज को अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का स्थायी केंद्र मिलेगा, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, विद्यार्थियों के लिए अध्ययन संसाधन और आम जनता के लिए सामाजिक गतिविधियों का एक बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

दंतेवाड़ा जेल के अशासकीय संदर्शक पद हेतु जयदीप माकन नियुक्त

किरंदुल। छत्तीसगढ़ जेल नियमावली के नियम 815(1) के तहत जिला जेल दंतेवाड़ा में अशासकीय संदर्शकों की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है।इस संबंध में उप मुख्यमंत्री कार्यालय, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर से प्रस्तावित नामों की सूची संबंधित विभाग को प्रेषित की गई है। जिसमें किरंदुल-बचेली क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता जयदीप माकन को अशासकीय संदर्शक पद हेतु नियुक्ति दी गई है। जयदीप माकन लंबे समय से क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों एवं जनसरोकारों से जुड़े रहे हैं, जिसके चलते उनके नाम को अशासकीय संदर्शक के लिए नामित किया गया हैं।

सालों बाद मलांगीर जलप्रपात में लौट रही रौनक,पर्यटकों की लग रही भीड़

किरन्दुल। बैलाडिला की लौह अयस्क पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित मलांगीर जलप्रपात कई वर्षों बाद नई पहचान के साथ सामने आया है। कभी नक्सलियों के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में अब पर्यटकों की चहल-पहल दिखाई देने लगी है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे है और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं। लंबे समय तक लाल आतंक के साए में छिपा रहा यह जलप्रपात अब दंतेवाड़ा जिले के उभरते पर्यटन स्थलों में शामिल होने की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2004 में नक्सलियों ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना प्रभाव स्थापित कर लिया था।मलांगीर जलप्रपात के नाम पर ही 'मलांगीर एरिया कमेटी' बनाई गई थी।इसके बाद जनताना सरकार की गतिविधियां बढ़ती गई और क्षेत्र आम लोगों की पहुंच से दूर होता चला गया। सुरक्षा कारणों से लोग यहां आने से कतराते थे और यह खूबसूरत पर्यटन स्थल धीरे-धीरे गुमनामी में खो गया।वर्ष 2022 में हिरोली के डोकापारा में पुलिस कैंप खुलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई, लेकिन क्षेत्र में छिटपुट नक्सली गतिविधियां जारी रहीं। 31 मार्च 2026 को मलांगीर एरिया कमेटी के समाप्त होने के साथ ही क्षेत्र में स्थायी शांति का माहौल बना और जलप्रपात एक बार फिर लोगों के लिए खुल गया।मलांगीर के सुंदर जलप्रपात एवं वादियों का आनंद उठाने पहुंचें सैलानियों ने बताया कि मलांगीर जलप्रपात में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। अगर जिला प्रशासन अभी ध्यान दे तो यह बस्तर का नया टूरिज्म हॉटस्पॉट बन सकता हैं। जिससे लोकल रोजगार बढ़ेगा, आदिवासियों की आमदनी बढ़ेगी और नक्सलवाद की वापसी का रास्ता हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ यहां स्वच्छता की चुनौती भी सामने आने लगी है। जलप्रपात परिसर और आसपास के क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा, पानी की बोतलें और शराब की खाली बोतलें फेंके जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो यह प्राकृतिक धरोहर प्रभावित हो सकती हैं। वहीं सुविधाओं के विस्तार की तैयारी में जिला प्रशासन द्वारा की जा रहीं हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए फेंसिंग, प्रवेश द्वार, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम पुरुष एवं महिला शौचालय, डस्टबिन तथा जलप्रपात तक पहुंचने के लिए नई सीढ़ियों का प्रस्ताव तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजा गया हैं।

संक्षिप्त समाचार

फरार आरोपियों की सूचना देने पर मिलेगा ईनाम

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के थाना रतनपुर में दर्ज अपराध के आरोपी शिवचरण केंवट, पिता जग्गू केंवट उम्र 24 वर्ष एवं शिवा उर्फ पप्पू केंवट उम्र 23 वर्ष दोनों निवासी ग्राम हिर्री, थाना मस्तुरी के संबंध में सूचना देने वाले को 5 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752-223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण बिलासपुर 9479193003, पुलिस नियंत्रण कक्ष, बिलासपुर 07752-228504, मो.नं. 9479193099, थाना प्रभारी रतनपुर मो.नं. 9479193032 को सूचना दे सकते है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु आवेदन 31 जुलाई तक

बिलासपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाईन आवेदन पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक किये जा सकते है। यह पुरस्कार उन बच्चों और युवाओं को दिया जाता है जिन्होंने खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला एवं संस्कृति तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हों और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला हो। पुरस्कार के लिए आवेदक की आयु 31 जुलाई 2026 तक 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। साथ ही आवेदक भारतीय नागरिक हो व भारत में निवास करता हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

उद्योग मंत्री व महापौर ने किया पार्षद कक्ष का लोकार्पण

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में नवस्थापित पार्षद कक्ष का लोकार्पण किया, अब निगम के पार्षदगणों को एक ओर जहाँ साकेत भवन में बैठने की सुविधायुक्त व्यवस्था सुनिश्चित हो गई है, वहीं दूसरी ओर पार्षदों को साकेत भवन में अपना कार्यालयीन कामकाज निपटाने में अब कोई परेशानी भी नहीं होगी। लोकार्पण के दौरान सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी के साथ निगम के पार्षदगण उपस्थित थे। निगम के पार्षदों को अर्जित करने व शहर एवं निगम की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में बढ़ रहे नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में उद्योग मंत्री श्री देवांगन के मार्गदर्शन तथा महापौर श्रीमती राजपूत व सभापति श्री ठाकुर के दिशा निर्देश में पार्षदों के बैठने व कामकाज संपादन करने हेतु एक सुव्यवस्थित एवं बड़े साइज के कक्ष की व्यवस्था आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के द्वारा कराई गई है, साकेत भवन के शासकीय हितग्राही पेंशन योजना विभाग के बगल में यह पार्षद कक्ष बनाया गया है तथा उसे व्यवस्थित स्वरूप दिया गया है। आज उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत ने फीता काटकर कक्ष का लोकार्पण किया एवं पार्षदगणों को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, निगम के पार्षदगण तथा अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

निगम के वार्ड क्र. 35 व 36 को मिली 02 करोड़ 95 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत वार्ड क्र. 35 एवं 36 को 02 करोड़ 95 लाख रूपये के लागत वाले 07 नये विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई है, प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में खरमोरा में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान इन सभी विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके हाथों किया गया। इस अवसर निगम के सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर एवं पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 01 करोड़ 94 लाख 70 हजार रूपये की लागत से वार्ड क्र. 36 अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग कालोनी में नाली निर्माण तथा जिला चिकित्सालय मुख्य मार्ग तक नाला का निर्माण जिला खनिज न्यास मद से किया जाना हैं। इसी प्रकार मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद से 20 लाख रूपये की लागत से वार्ड क्र. 36 साधराम राठौर घर से राठिया समाज भवन तक सी.सी.रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, इसी मद से 20 लाख रूपये की लागत से वार्ड क्र. 36 स्थित निर्मला स्कूल से विनोद सोनवानी घर तक नाली का निर्माण एवं इसी मद से 05 लाख रूपये की लागत से वार्ड क्र. 36 डिंगापुर जंगल खदान में मंच निर्माण का कार्य कराया जाना हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत राज्य के बाहर हैदराबाद में हुई जटिल ओपन हार्ट सर्जरी,बची बच्चे की जान

बिलासपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित चिरायु योजना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि समय पर पहचान और उचित उपचार से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को नया जीवन दिया जा सकता है। बिलासपुर जिले के विकासखंड तखतपुर के चिरायु दल ने संवेदनशीलता, तत्परता और समर्पण का परिचय देते हुए छह वर्षीय मासूम टोकेशवर निर्मलकर को नया जीवन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले इस बच्चे का उपचार राज्य के बाहर हैदराबाद में अत्यंत जटिल ओपन हार्ट सर्जरी के माध्यम से संभव हो सका। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना है, जिसका उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात बीमारियों, हृदय रोग, कुपोषण, विकास संबंधी समस्याओं एवं अन्य गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत चिरायु दल स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर बच्चों की स्क्रीनिंग करता है तथा जरूरतमंद बच्चों को उच्च स्तरीय उपचार एवं सर्जरी की सुविधा भी शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उसलापुर निवासी रामायण निर्मलकर के छह वर्षीय पुत्र टोकेशवर निर्मलकर को चिरायु दल द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्क्रीनिंग अभियान के दौरान चिन्हित किया गया। प्रारंभिक जांच में बच्चे के हृदय में गंभीर जन्मजात विकार पाए गए। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे के हृदय में ऐसी जटिल बीमारी थी, जिसके कारण उसकी स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई थी और किसी भी समय जान का खतरा उत्पन्न हो सकता था। बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिरायु दल ने बिना विलंब किए उसे जिला अस्पताल बिलासपुर रेफर किया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के बाद बच्चे को रायपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) भेजा गया। मेकाहारा में विस्तृत जांच के दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे के हृदय की बीमारी अत्यंत जटिल है तथा उसका ऑपरेशन राज्य के बाहर किसी सुपर स्पेशियलिटी कार्डियक सेंटर में ही संभव है इसके बाद बच्चे को हैदराबाद स्थित केयर हॉस्पिटल में उपचार हेतु रेफर किया गया। अस्पताल के विशेषज्ञ हृदय रोग चिकित्सकों ने जांच के उपरांत बताया कि बच्चे के हृदय की स्थिति अत्यंत गंभीर है और उसे बचाने के लिए जटिल ओपन हार्ट सर्जरी करना आवश्यक होगा। डॉक्टरों के अनुसार यह सर्जरी अत्यंत जोखिमपूर्ण और चुनौतीपूर्ण थी, जिसके लिए विशेष कार्डियक सर्जन टीम एवं अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता थी। उपचार एवं सर्जरी में लगभग सात लाख रुपए का खर्च बताया गया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत खजुरी में खेती बचाओ अभियान आयोजित किया

बिलासपुर । राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत विकासखंड तखतपुर के ग्राम पंचायत खजुरी में खेती बचाओ अभियान के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक कृषि संभाग बिलासपुर आर.के. राठौर ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होती है, मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है तथा पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा होती है। उन्होंने किसानों को नील हरित काई (बीजीए) उत्पादन एवं उपयोग का प्रशिक्षण दिया तथा 10 पैकेट निःशुल्क वितरित किए। कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गीत शर्मा ने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, आच्छादन एवं वापसा जैसी तकनीकों की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक लाभ बताए। विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीमती एकता ताम्रकार ने नीमास्त्र निर्माण एवं उपयोग की विधि समझाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपसंचालक कृषि पी.डी. हथेश्वर ने बताया कि अभियान के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने, मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग तथा रासायनिक आदानों की खपत कम करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें प्राकृतिक खेती के विभिन्न मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता रही। संचालन विनोद साहू ने किया।

रतनपुर प्रभारी निलेश पांडे की वापसी से अवैध कारोबारियों के उड़े होश.......

■ सख्त पुलिसिंग के लिए प्रसिद्ध निरीक्षक ने संभाली कमान, कानून व्यवस्था को लेकर बढ़ी जनता की उम्मीदें

बिलासपुर - निरीक्षक निलेश पांडे की एक बार फिर रतनपुर थाना प्रभारी के रूप में वापसी होते ही क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। उनके सख्त और प्रभावी कार्यशैली को देखते हुए अवैध कारोबारियों, नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप की स्थिति बताई जा रही है। पूर्व कार्यकाल में निलेश पांडे ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर अपराधियों पर शिकंजा कसा था। नशे के कारोबार, जुए-सट्टे और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर उनकी सख्ती की चर्चा पूरे क्षेत्र में रही थी। यही कारण है कि उनकी पुनः पदस्थापना को कानून व्यवस्था के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में रतनपुर में कानून का राज और मजबूत होगा तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा। वहीं दूसरी ओर अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में उनकी वापसी को लेकर बेचैनी देखी जा रही है।

अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएँ

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने आज जिला कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याएँ एवं मांगों की जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें अपनी समस्या के समाधान की स्थिति स्पष्ट रूप से ज्ञात हो सके।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत बिलासपुर मंडल में जल एवं ऊर्जा संरक्षण पर विशेष जागरूकता अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास को प्रोत्साहित करने हेतु विविध जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में 02 एवं 03 जून 2026 को जल एवं ऊर्जा संरक्षण विषय पर विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान मंडल के सभी स्टेशनों, कार्यालयों एवं रेलवे परिसरों में यात्रियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न स्थानों पर पोस्टर, बैनर, जनघोषणाओं एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने, जल की बर्बादी रोकने तथा जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। साथ ही स्टेशन परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित की गई। ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंडल के सभी स्टेशनों एवं कार्यालयों में ऊर्जा संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया गया। कर्मचारियों को लाइटों, पंखों, कंप्यूटरों एवं अन्य विद्युत उपकरणों को उपयोग न होने की स्थिति में बंद रखने, एलईडी प्रकाश व्यवस्था के उपयोग को बढ़ावा देने तथा एयर कंडीशनरों का निर्धारित तापमान पर दक्षतापूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही मिशन ख्ङ्खस्न्न (ख्द्धद्गह्लद्ध4ह्यद्ग द्घशह् श्वठ्ठ1द्बह्मशठ्ठद्वद्गठ्ठह्ल) के अंतर्गत नागरिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

सरपंच उपचुनाव: प्रभा रामप्रसाद कंवर के सिर सजा सरपंच का ताज

■ 491 मतों से जीत दूसरी बार बनीं सलिहाभांठा की सरपंच

कोरबा। त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के अंतर्गत करतला विकासखंड के ग्राम पंचायत सलिहाभांठा में सरपंच के रिक्त पद के लिए सोमवार को हुए मतदान में मतदाताओं ने नवाचार बनाम अनुभव की जंग में अनुभव को चुना। रिकार्ड 491 मतों से जीतकर श्रीमती प्रभा राम प्रसाद कंवर दूसरी बार सलिहाभांठा की सरपंच निर्वाचित हुई हैं।

गौरतलब हो कि त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव के अंतर्गत सोमवार को करतला विकासखंड के ग्राम पंचायत सलिहाभांठा (पूर्व सांसद डॉ.बंशीलाल महतो का गृह ग्राम एवं पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर के गृह ग्राम) में सरपंच के रिक्त पद को लेकर चुनाव संपन्न कराया गया । मैदान में एक तरफ पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर के भांजा बहु प्रभा देवी रामप्रसाद कंवर थीं जिनके पास सफलतापूर्वक एक पंचवर्षीय कार्यकाल पूरा करने का अनुभव था,तो दूसरी ओर ननकीराम कंवर के ही सगे भतीजे चुनावी मैदान में थे। एक कार्यानुभव के जरिए मतदाताओं का आशीर्वाद मांग रही थीं तो एक नवाचार ,सर्वांगीण विकास के वादों के साथ मतदाताओं से बदलाव के बयार की उम्मीद में चुनावी मैदान में उतरे थे।कड़ी धूप के बावजूद मतदाताओं ने बढ़चढ़कर मतदान भी किया। 1456 मतदाताओं में से 1252 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक जिम्मेदार मतदाता (ग्रामीण) होने का प्रमाण दिया। लेकिन जैसे ही शाम 5 बजे मतपत्र की गिनती के बाद मौखिक रूप से चुनावी परिणाम सामने आए प्रभा कंवर की खुशियों का ठिकाना न रहा। भाँचा बहु ट भतीजे की जंग में मतदाताओं ने भाँचा बहु को अपना मतदान रूपी आशीर्वाद देकर दूसरी बार ग्राम सरपंच की कुर्सी प्रदान कर दी। और बदलाव की आश लगाए बैठे भतीजे विजय कंवर के हिस्से में निराशा और इंतजार आई। हालांकि पहली बार ही चुनावी मैदान में उतरे विजय कंवर को मिले 337 मतों को भी कमतर नहीं आंका जा सकता। अल्पसमयावधि में चुनावी मैदान में उतरे विजय कंवर ने ग्राम की चुनावी फिजा को दिलचस्प बना दिया था। हालांकि नतीजों में विजय को पराजय मिलने के बाद सारी अटकलों पर विराम लग गया।

491 मतों से जीत ,सलिहाभांठा बना गेम चेंजर

ग्राम पंचायत सलिहाभांठा के सरपंच पद के उपचुनाव में प्रभा देवी रामप्रसाद कंवर ने रिकार्ड 491 मतों के अंतर से जीत हासिल की । प्रभा को जहां सलिहाभांठा और बंधवाभांठा को मिलाकर कुल 868 मत मिले तो विजय कंवर को महज 377 मत ही मिले । दोनों गांव के मतों की बात करें तो सलिहाभांठा से प्रभा को कुल डाले गए 673 मतों में से 78.60: अर्थात 529 मत मिले ,जबकि विजय कंवर यहाँ से महज 141 वोट ही निकाल सके। बात करें दोनों प्रत्याशियों के गृह ग्राम पंचायत की तो बंधवाभांठा से कुल डाले गए 579 मतों में से प्रभा रामप्रसाद कंवर को जहां 339 मत मिले तो विजय कंवर को महज 236 मत ही मिले । दोनों गांव में महज 7 मत रिजेक्ट हुए।

अपोलो अस्पताल पर फिर उठे सवाल,इलाज के दौरान मौत के बाद परिजनों ने खोला मोर्चा.....

■ इलाज या लापरवाही? अपोलो अस्पताल की कार्यप्रणाली पर परिजनों ने उठाए गंभीर सवाल

■ अपोलो अस्पताल के खिलाफफूटा परिजनों का गुस्सा, मौत के बाद निष्पक्ष जांच की मांग

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर का अपोलो अस्पताल एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। इलाज के दौरान हुई एक बुजुर्ग मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही, पारदर्शिता की कमी और उपचार प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मामले को लेकर आज बिलासपुर प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जहां मृतक के परिजनों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। न्यायधानी बिलासपुर में स्थापित अपोलो अस्पताल से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी, लेकिन समय-समय पर अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में लापरवाही और अत्यधिक व्यावसायिक रवैये के आरोप लगते रहे हैं। ताजा मामला कोरबा जिले के हरदी बाजार क्षेत्र के निवासी 81 वर्षीय उदय नारायण जायसवाल की मृत्यु से जुड़ा है। मृतक के पुत्र राजेश कुमार जायसवाल ने बिलासपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि उनके पिता को 14 अप्रैल 2026 को दाहिने पैर में दर्द की शिकायत के बाद

अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान 27 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों का आरोप है कि उन्हें मृत्यु के कारणों और उपचार प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। इस संबंध में मृतका के पुत्र एवं पीड़ित परिजन राजेश कुमार जायसवाल ने बताया कि हमारे पिता को सिर्फ पैर में दर्द की शिकायत थी। उनकी तबीयत को लेकर अस्पताल प्रबंधन की ओर से हमें संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई। हम चाहते हैं कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। साथ में यह भी सवाल उठाया कि मरीज को आईसीयू और वेंटिलेटर में क्यों रखा गया तथा उपचार के दौरान क्या-क्या चिकित्सकीय प्रक्रियाएं अपनाई गई। उनका कहना है कि भर्ती से लेकर मृत्यु तक की पूरी मेडिकल प्रक्रिया और दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए। इस मामले को लेकर परिजनों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, संभागायुक्त, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और संबंधित थाना प्रभारी को शिकायत भेजकर निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफकानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल परिजनों की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए हैं और मामले की जांच की मांग की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन का पक्ष सामने आना अभी बाकी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

घर में बालकनी और खिड़कियां कैसी होनी चाहिए?

बालकनी और खिड़कियां घर का एक अहम हिस्सा होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, बालकनी और खिड़कियों का खास महत्व होता है, क्योंकि ये घर में ऊर्जा के प्रवाह के मुख्य रास्ते होते हैं। मान्यता है कि अगर घर की बालकनी और खिड़कियां उचित दिशा और सही जगह पर बनी हों, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और सुख-शांति की बढ़ोतरी होती है। वहीं, अगर घर में बालकनी और खिड़की सही जगह पर ना हों, तो इसका नकारात्मक प्रभाव पूरे घर-परिवार में पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको वास्तु शास्त्र के मुताबिक बताएंगे कि घर में बालकनी और खिड़कियां कैसी होनी चाहिए?

वास्तु में बालकनी और खिड़कियों का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की खिड़कियां और बालकनी ब्रह्मांडीय और प्राकृतिक ऊर्जा के लिए होती हैं। माना जाता है कि जब ये दोनों सही दिशा में और साफ-सुथरे रहते हैं तो घर में तालमेल, अच्छे मौके और मानसिक शांति आती है। अगर बालकनी गंदी या बिखरी हुई हो तो यह ऊर्जा के प्रवाह को रोक सकती है और घर में ठहराव का अहसास करा सकती है।

खिड़कियां से जुड़े वास्तु नियम
वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में खिड़कियां होना बहुत जरूरी है। खिड़कियों से ही नकरात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है और पॉजिटिव एनर्जी घर में प्रवेश करती है। हवा और सूर्य का प्रकाश भी खिड़कियों के माध्यम से ही कमरों में आता है। घर में खिड़कियां बनवाते समय कुछ वास्तु नियमों का ध्यान रखना चाहिए, जो इस प्रकार हैं-

कैसी और किस दिशा में होनी चाहिए बालकनी

- वास्तु के अनुसार उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में बनी बालकनी सबसे शुभ मानी जाती है।
- पूर्व दिशा की बालकनी सुबह की सूर्य किरणों को घर में लाती है, जिससे स्वास्थ्य और ऊर्जा में वृद्धि होती है।
- उत्तर दिशा की बालकनी आर्थिक उन्नति, करियर में प्रगति और नए अवसरों से जुड़ी मानी जाती है।
- उत्तर-पूर्व दिशा की बालकनी मानसिक शांति, आध्यात्मिक विकास और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती है। इन बातों का रखें ध्यान
- खिड़कियां खोलने या बंद करने पर आवाज नहीं आनी चाहिए, क्योंकि इससे घर का शांत माहौल प्रभावित हो सकता है।
- वास्तु के अनुसार घर में खिड़कियों की संख्या सम होनी चाहिए, जैसे 2, 4 या 6।
- खिड़कियों का आकार दीवार के अनुपात में होना चाहिए, न बहुत बड़ा और न ही बहुत छोटा।
- एक ही दीवार पर बहुत अधिक खिड़कियां बनवाने से बचना चाहिए।
- घर की पूर्व दिशा में खिड़की होना शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे सुबह की सूर्य किरणें सीधे घर में प्रवेश करती है।

- यदि पूर्व दिशा में खिड़की बनाना संभव न हो, तो वहां रोशनदान बनवाया जा सकता है।
- खिड़कियों की समय-समय पर सफाई, मरम्मत और पेंटिंग करवाते रहना चाहिए।
- खिड़कियों पर हल्के रंग और हवा आने-जाने वाले कपड़े के पर्दे लगाना बेहतर माना जाता है।

महिलाओं के बेस्ट हेयरकट्स और टिप्स

गर्मियों में लंबे और भारी बाल पसीना, चिपचिपाहट और हेयर फॉल बढ़ा सकते हैं. ऐसे में सही हेयरकट न सिर्फ आपको कूल महसूस कराता है, बल्कि स्टाइल भी बनाए रखता है. अगर आप भी सोच रही हैं कि गर्मियों में बाल कैसे कटवाएं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे.गर्मियां आती नहीं कि लड़कियों के लिए अपने बालों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है. जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे लंबे और भारी बाल चिपचिपे होने लगते हैं, बार-बार उलझने लगते हैं. क्या आप भी इन्हीं दिक्कतों का सामना कर रही हैं? अगर हां, तो ये स्टोरी आपके लिए ही है. आज हम आपके साथ 2 ऐसी समर हेयरकट के बारे में बताने वाले हैं, जो न केवल बालों को मैनेज करना आसान बनाएंगे, बल्कि आपको एक फ्रेश और स्टाइलिश लुक भी देने में मददगार साबित हो सकते हैं.

क्यों अपनाएं?

गर्मी में एकदम हल्का महसूस होता है। पसीना कम लगता है और बालों में चिपचिपापन नहीं होता। चेहरे का लुक ज्यादा जवान और फ्रेश दिखता है।

किस फेस शेप पर कौन-सा हेयरकट सूट करता है?

हर फेस शेप पर एक-सा हेयरकट अच्छा नहीं लगता। सही कट चुनने से न सिर्फ लुक बेहतर दिखता है, बल्कि गर्मियों में कम पसीना और आसान स्टाइलिंग भी मिलती है। अगर आपका चेहरा गोल है, तो ऐसे हेयरकट चुनें जो फेस को थोड़ा लंबा दिखाएं।

बेस्ट ऑप्शन : लॉन्ग लेयर्स, साइड पार्टीशन, लॉब कट। बहुत ज्यादा छोटे और गोल कट से चेहरा और चौड़ा लग सकता है। ओवल फेस शेप वाली महिलाएं सबसे ज्यादा lucky मानी जाती है।

बेस्ट ऑप्शन : बॉब कट, पिक्सी कट, शोल्डर लेंथ लेयर्ड कट। आप गर्मियों में short haircut ट्राय कर सकती हैं, बिना ज्यादा सोचे। लंबे फेस शेप में बैलेंस लाने के लिए ऐसे हेयरकट बेहतर होते हैं जो चौड़ाई दें।

बेस्ट ऑप्शन : शोल्डर लेंथ कट, वेवी स्टाइल, फ्रंट बैंग्स। बहुत लंबे और एकदम straight बाल चेहरे को और लंबा दिखा सकते हैं।

लड़कियों के लिए कौन सा कट सबसे अच्छा है?

शोल्डर लेंथ लेयर्स : गर्मियों के लिए शोल्डर लेंथ लेयर्स एक शानदार विकल्प है। यह कट न तो बहुत छोटा होता है और न बहुत लंबा होता है। लेयर्स की वजह से बालों में वॉल्यूम आता है और चेहरा ज्यादा शार्प दिखता है।

गर्मियों में छोटे बाल क्यों ज्यादा बेहतर होते हैं?

गर्मी में बाल गर्दन पर नहीं चिपकते। जल्दी सूख जाते हैं, इसलिए बार-बार पसीने से खराब नहीं होते। पतले बालों में वॉल्यूम दिखता है।

बॉब कट : बॉब कट गर्मियों में लड़कियों के लिए सबसे बेस्ट हेयरकट माना जाता है। अगर आप छोटे बालों के साथ स्टाइलिश लगना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है।

गर्मियों में जान लें अदरक स्टोर करने का हैक

अदरक का इस्तेमाल चाय से लेकर मसाले में होता है। कुछ घरों में अदरक का यूज केवल ठंड में नहीं होता बल्कि गर्मियों में भी होता रहता है। लेकिन गर्मियां आते ही अदरक को स्टोर करने की समस्या पैदा हो जाती है क्योंकि इसे अगर फ्रिज में रखा तो नमी पाकर सड़ जाती है और अगर बाहर रख दिया तो सूख जाती है। अब अगर आपको चाहिए क्रंची, जूसी अदरक, जिसे आप चाय में भी डाल सकें और साथ ही मसालों के लिए पीस कर पेस्ट बना सकें तो इसे स्टोर करने का सही तरीका जरूर सीख लें।

टिश्यू पेपर हैक आएगा काम

अदरक का दुश्मन नमी है, जो इसमें कीड़े पैदा करने लगता है। अगर अदरक की नमी को दूर करना है तो इसे पेपर टॉवल या टिश्यू पेपर में लपेट दें। फिर एयर टाइट कंटेनर में रखकर ढक्कन बंद कर दें। पेपर टॉवल अदरक के एक्स्ट्रा मॉइश्चर को सोख लेगी। इसलिए टिश्यू पेपर में लपेटकर अदरक को स्टोर करना बेस्ट आइडिया है।

जिपलॉक बैग में रखें

अदरक को अच्छी तरह से धोकर सुखा लें। फिर इसे जिप लॉक बैग में भरकर बैग के अंदर की सारी हवा को धीरे-धीरे निकालें और बैग बंद कर दें। इससे अदरक की पर्याप्त नमी इसे फ्रेश रखेगी और ये ज्यादा सूखेगी नहीं।

फ्रीजर में स्टोर करें अदरक

अदरक को रेडी टू यूज बनाकर स्टोर करें। सबसे पहले सारी अदरक को धोकर सुखा लें और छील लें। छोटे-छोटे गोल टुकड़ों में काट लें। इन सारे टुकड़ों को किसी एयर टाइट कंटेनर में करकरे फ्रीजर में स्टोरकर लें। जब भी जरूरत हो तो एक से दो टुकड़े, जरूरत के मुताबिक निकालें और उन्हें पीसकर या घिसकर यूज में लाएं। फ्रीजर में स्टोर अदरक पूरी तरह से क्रंची और जूसी होगी।

फ्रिज में कहां स्टोर करें अदरक

फ्रिज में अदरक स्टोर करना है तो उसे साधारण फ्रिज के डोर वाले एरिया में रखें। इस एरिया में अदरक को बहुत ज्यादा ठंडक नहीं मिलती और आपकी अदरक उतने टेंपरेचर में ना सड़ती है और ना ही सूखती है। बिना किसी झंझट के बस अदरक को टिश्यू पेपर में लपेटें और सिंगल डोर वाले फ्रिज के डोर एरिया में रखें। यहां पर अदरक खराब नहीं होगी। वहीं अगर फ्रिज एडवांस लेवल वाला है तो वेजिटेबल ड्राअर के क्रिस्पर सेक्शन में रखें। यहां पर अदरक सूखेगी नहीं और ना ही खराब होगी।

कढ़ी बनाने के टिप्स

गरमा-गरम कढ़ी-चावल खाने को मिल जाएं तो मजा आ जाता है। कढ़ी का हल्का खट्टा और तीखा स्वाद भला किसे पसंद नहीं आता। कढ़ी बनाने की रेसिपी हर घर में अलग होती है, इसलिए आज हम आपके साथ रेसिपी शेयर नहीं कर रहे। बल्कि कढ़ी का घोल बनाने का तरीका बता रहे हैं, जो परफेक्ट कढ़ी के लिए सबसे जरूरी होता है। अक्सर घर में कढ़ी बनाते हुए यहीं गलती होगी है, जिस वजह से या तो ये ज्यादा पतली बन जाती है या इसनें गुठलियां पड़ जाती है। बेसन, दही और पानी का अनुपात क्या रखा जाए, कढ़ी को फटने से कैसे बचाया जाए; ये कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जो परफेक्ट कढ़ी बनाने के लिए बहुत जरूरी हैं। तो चलिए फटाफट से ये टिप्स नोट कर लीजिए, हर बार बिल्कुल हलवाई स्टाइल कढ़ी बनेगी।

कढ़ी का परफेक्ट घोल कैसे बनाएं?

कढ़ी बनाते हुए सबसे पहला स्टेप होता है इसका बैटर बनाना। बैटर में दही, बेसन और पानी को आपस में मिक्स किया जाता है और फिर इसकी कढ़ी बनती है। यहां सबसे जरूरी है इन सभी चीजों को सही अनुपात में मिलाना। तो फटाफट नोट कर लीजिए। अगर आप 1 कप दही ले रही हैं, तो उसमें 3 चम्मच बेसन और ढाई कप पानी इस्तेमाल करें। इन्हें एक व्हिस्कर की मदद से अच्छी तरह फेंट लें, या फिर फटाफट काम निपटाना है तो एक बार मिक्सर में भी चला सकती है।

स्वाद की टिप : कढ़ी बनाने के लिए हमेशा थोड़ी खट्टी दही का इस्तेमाल करें। इससे स्वाद अच्छा आता है। जब भी कढ़ी बनाने वाली हों, दही को फ्रिज से निकालकर 4-5 घंटे के लिए बाहर रख दें, उसमें ठीक-ठाक खटास आ जाएगी।

कढ़ी छौंकने के लिए कौन-कौन से मसाले मिलाएं

बिल्कुल हलवाई जैसी टेस्टी कढ़ी बनानी है तो कौन-कौन से मसाले डलेंगे, ये भी एक कॉमन सवाल है। तो फटाफट नोट कर लीजिए। एक कढ़ाही में सरसों का तेल गर्म करें, उसमें जीरा, कद्दूकस किया हुआ अदरक और मेथी दाना डालकर भून लें। फिर उसमें साबुत हरी मिर्च डालें और बिल्कुल हल्का सा भून लें। अब कढ़ी का बैटर एड करें, उसमें हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर भी मिलाएं। इसे तेज फ्लेम पर तब तक पकाएं, जब तक इसमें उबाल नहीं आ जाता। उबाल होने के बाद स्वादानुसार नमक एड करें।

कई बार कढ़ी बनाते हुए दही बिल्कुल फट जाती है, जिससे ये दिखने में भी खराब लगती है और खाने में भी टेस्ट अच्छा नहीं लगता। ऐसा तब होता है, जब आप दही और बेसन को अच्छी तरह नहीं फेंटती। इसलिए इन्हें अच्छे से फेंटे, फिर लगातार चलाते हुए कढ़ी को पका लें। जब कढ़ी में उबाल आ जाए, इसके बाद ही नमक एड करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा की चाल बार-बार आपका मूड स्विंग कराएगी। जून की शुरुआत में आप सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहेंगे। आपकी रील्स और स्टोरीज पर व्यूज की बौछार होने वाली है। लव लाइफ की बात करें तो शुरुआत में सब कुछ 'लव-शव' जैसा लगेगा, लेकिन 21 जून को जब मंगल वृषभ में जाएंगे, तो आपका पजेसिव नेचर सामने आ सकता है। अपने क्रश या पार्टनर को थोड़ा स्पेस दें, वरना बात सीधे 'ब्लॉक' और 'अनफॉलो' तक पहुंच सकती है।

वृषभ राशि - सूर्य आपकी राशि में बैठे हैं और 21 जून को एंग्री यंग मैन यानी मंगल भी आपकी राशि में एंट्री मार रहे हैं। लव लाइफ में इस महीने 'रेड फ्लैग' और 'ग्रीन फ्लैग' का खेल चलता रहेगा। शुरुआत में शुक्र के प्रभाव से आपका वाइब सोशल मीडिया पर नेक्स्ट लेवल रहेगा, लोग आपकी थ्रेड्स और इंस्टाग्राम पोस्ट्स पर कमेंट करने के बहाने ढूंढेंगे।

मिथुन राशि - बुध, शुक्र और गुरु की तिकड़ी आपकी ही राशि में बैठी है, जो आपको इस महीने का सबसे बड़ा इन्फ्लुएंसर बना रही है। यह महीना आपके लिए पूरी तरह से लाइमलाइट में रहने का है, क्योंकि आपके कम्युनिकेशन स्किल्स इस समय गॉड-लेवल पर हैं। सोशल मीडिया पर आपका कोई मीम या रील वायरल हो सकती है और आपके फॉलोअर्स तेजी से बढ़ सकते हैं।

कर्क राशि - शुक्र भी आपकी राशि में एंट्री लेंगे। यह महीना आपके लिए बेहद खास है, क्योंकि आप सोशल मीडिया पर अपनी 'सॉफ्ट और एस्थेटिक' वाइब शेयर करेंगे, जिसे लोग खूब पसंद करेंगे। आपके DM में मैसेजेस की बाढ़ आ सकती है। प्यार के मामले में, 8 जून के बाद आप किसी के साथ गहरा कनेक्शन महसूस करेंगे। अगर आप पहले से रिलेशनशिप में हैं, तो पार्टनर के साथ रील बनाना या कपल गोल्स पोस्ट करना आपके बॉन्ड को और मजबूत करेगा।

सिंह राशि - आपको कभी-कभी सोशल मीडिया से डिटॉक्स लेने पर मजबूर करेंगे। यह महीना आपके लिए खुद को री-डिस्कवर करने का है, क्योंकि आपका मन करेगा कि आप कुछ दिनों के लिए 'घोस्ट मोड' में चले जाएं। हालांकि, आपकी सोशल लाइफ पूरी तरह शांत नहीं रहेगी। लव लाइफ में शुरुआत में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, शायद लॉन्ग-डिस्टेंस या फिर 'नो कॉन्टैक्ट' वाली सिचुएशन बने।

कन्या राशि - करियर और सोशल स्टेटस को बूस्ट करने वाला रहेगा, क्योंकि बुध और शुक्र की कृपा से आपका काम और डिजिटल प्रेजेंस दोनों चमकेंगे। यह महीना आपके लिए काफी प्रोडक्टिव है, क्योंकि सोशल मीडिया पर आप कोई नया पेज, यूट्यूब चैनल या टेक-रिलेटेड कंटेंट शुरू कर सकते हैं, जिसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा। प्यार के मामले में, आप इस महीने थोड़े प्रैक्टिकल रहेंगे। आप 'टॉक्सिक' लोगों को अपनी लाइफ और सोशल मीडिया से सीधे ब्लॉक लिस्ट में डालेंगे।

तुला राशि-यह महीना आपके लिए बेहद कूल रहने वाला है, क्योंकि आपकी ट्रैवल रील्स और वेकेशन की फोटोज सोशल मीडिया पर आग लगाने वाली हैं। आपके एस्थेटिक सेंस की हर कोई तारीफ करेगा। रोमांस के मामले में, इस महीने आप किसी ऐसे व्यक्ति की तरफ अट्रैक्ट हो सकते हैं जो आपकी ही तरह 'आर्टिस्टिक' और कूल हो। इंटरनेट पर आपकी ट्यूनिंग बहुत शानदार रहेगी।

वृश्चिक राशि - आपके लिए 'सस्पेंस और थ्रिलर' से भरपूर रहेगा, क्योंकि चंद्रमा महीने की शुरुआत आपकी ही राशि से कर रहे हैं और राहु-केतु की स्थिति आपको थोड़ा मिस्टीरियस बनाएगी। यह महीना आपके लिए अपनी वाइब को 'डार्क और मिस्टीरियस' रखने का है, क्योंकि आप सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव न रहकर भी लोगों का ध्यान खींचेंगे।

धनु राशि- पार्टनरशिप और नए कोलैबोरेशन्स का रहेगा, क्योंकि मिथुन राशि के ग्रह सीधे आपकी लव लाइफ और सोशल सर्कल को प्रभावित कर रहे हैं। यह महीना आपके लिए सोशल बटरफ्लाई बनने का है क्योंकि आप नए-नए लोगों से मिलेंगे, ऑनलाइन ग्रुप्स में एक्टिव रहेंगे और नए फ्रेंड्स बनाएंगे। लव लाइफ के लिए यह समय 'मेन कैरेक्टर' जैसी फीलिंग देने वाला है। अगर आप सिंगल हैं, तो सोशल मीडिया के जरिए कोई बहुत ही अट्रैक्टिव और इंटेलीजेंट इंसान आपकी लाइफ में आ सकता है।

मकर राशि - आप अपनी फिटनेस, रूटीन और डिजिटल स्किल्स को अपग्रेड करने में पूरा ध्यान लगाने वाले हैं। यह महीना आपके लिए अपनी लाइफ को 'आर्गनाइज' करने का है, क्योंकि आप सोशल मीडिया पर अपनी वर्कआउट रील्स, स्टडी-व्लॉग्स या प्रोडक्टिविटी हैक्स शेयर करके ट्रेंड सेट करेंगे। प्यार-मोहब्बत के मामले में आप थोड़े स्लो रहेंगे। आप 'टाइमपास' रिलेशनशिप्स से दूर रहना पसंद करेंगे।

कुंभ राशि- आपके लिए 'क्रिएटिविटी और रोमांस' का पीक सीजन रहेगा, क्योंकि राहु आपकी राशि में है और पंचम भाव के ग्रह आपके भीतर के कलाकार को जगा रहे हैं। यह महीना आपके लिए अपनी क्रिएटिविटी से इंटरनेट पर छा जाने का है, क्योंकि आपकी रील्स, एडिटिंग स्किल्स या गेमिंग स्ट्रीम्स को इस महीने जबरदस्त रीच मिलने वाली है। लव लाइफ की बात करें तो आप इस महीने पूरी तरह से 'फ्लर्टेशियस मूड' में रहेंगे।

मीन राशि- शनि आपकी राशि में रहकर आपको मैच्योर बना रहे हैं और बाकी ग्रह आपके पर्सनल स्पेस को प्रभावित कर रहे हैं। यह महीना आपके लिए अपने कम्फर्ट जोन में रहने का है क्योंकि आप बाहर पार्टी करने के बजाय घर पर रहकर नेटफ्लिक्स देखना या गेमिंग करना ज्यादा पसंद करेंगे। सोशल मीडिया पर आप अपनी 'कम्फर्ट फूड' या 'होम डेकोर' की वाइब्स शेयर करेंगे।

किचन के चिपचिपे और गंदे स्विच बोर्ड मिनटों में होंगे साफ

तेल, मसाले और धूल की वजह से स्विच बोर्ड जल्दी गंदे और चिपचिपे हो जाते हैं। सफेद रंग के स्विच बोर्ड देखने में भी खराब लगते हैं। आपका भी स्विच बोर्ड चिपचिपा और गंदगी के कारण सफेद से काला पड़ गया है तो आप यहां बताए कुछ आसान से क्लीनिंग हैक्स और घरेलू उपायों को ट्राई करिए, बिल्कुल नए जैसे चमक उठेंगे घर के सारे स्विच बोर्ड।

स्विच बोर्ड साफ करने से पहले करें ये काम

सबसे पहले अपने घर की मेन स्विच या बिजली सप्लाई बंद कर दें। कभी भी गीले हाथों से बिजली का कोई भी काम न करें। ऐसे में स्विच बोर्ड भी न छुएं। स्विच बोर्ड साफ करने के लिए ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें।

स्विच बोर्ड साफ करने के आसान तरीके

घर की रसोई में लगे स्विच बोर्ड चिपचिपे और काले पड़ गए हैं तो इसे साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा और नींबू का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप 1 चम्मच बेकिंग सोडा में 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिला दें। अब एक कॉटन बॉल, साफ कपड़ा या फिर पुराना टूथब्रश लें। इस पर बेकिंग सोडा का मिश्रण लगाएं और स्विच बोर्ड को साफ करें। अब साफ सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे बहुत आसानी से चिकनाई और जिद्दी दाग हट जाएंगे। सफेद सिरका और पानी के घोल से भी स्विच बोर्ड के दाग-धब्बे, गंदगी को हटा सकते हैं। कपड़े में इसे लगाकर स्विच बोर्ड को रगड़ें। बोर्ड की गंदगी, चिपचिपाहट दूर हो जाएगी।

गर्मियों में तरबूज का ठंडा-ठंडा जूस

गर्मियों के मौसम में ठंडी-ठंडी ड्रिंक्स पीने का मन करता ही है। ऐसे में कई लोग कोल्ड ड्रिंक्स वगैरह भी पीते हैं, जो कि हेल्दी तो बिल्कुल भी नहीं हैं। खासकर बच्चों को तो इन शुगरी ड्रिंक्स से दूर ही रखना चाहिए। इनकी जगह तरबूज का रिफ्रेशिंग जूस एक परफेक्ट ऑप्शन है। ये नेचुरली मीठा होता है इसलिए चीनी डालने की भी जरूरत नहीं।

बच्चे अक्सर फ्रूट खाने में नखरे करते हैं, ऐसे में आप उन्हें गर्मियों में तरबूज का जूस बनाकर दे सकते हैं। वैसे तो मिक्सर में आप फटाफट से इसका जूस तैयार कर सकते हैं, लेकिन अगर मिक्सर ना हो फिर? अब टेंशन की बात नहीं है क्योंकि ये हैक आपके बड़े काम आएगा। इसमें आपको मिक्सर की जरूरत नहीं है। फटाफट से जब भी तरबूज का जूस बनाना हो ये हैक ट्राई कर सकते हैं, काफी मेहनत बच जाएगी। तरबूज का रिफ्रेशिंग और टेस्टी जूस पीना है, तो इसके लिए आपको मिक्सर की कोई जरूरत नहीं है। बिना मेहनत के सिर्फ 2 मिनट में आप हेल्दी और टेस्टी जूस बनाकर रेडी कर सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ आटा छानने वाली एक छलनी लेनी है। साथ ही मीठा पका हुआ तरबूज लें और उसे धो कर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब छलनी लें और उसके नीचे एक गहरी बाउल या जग रखें। अब तरबूज के टुकड़ों को छलनी में रखकर छिलके वाला हिस्सा पकड़ें और दबाते हुए रगड़ना शुरू कर दें। आप देखेंगे कि जूस नीचे वाले बर्तन में इकट्ठा होने लगा है।

इस तरीके का फायदा ये है कि बीज छलनी में ही इकट्ठा हो जाते हैं और जूस काफी बढ़िया तरीके से निकलता है। इस तरीके से जूस बनाने में आपको मुश्किल से 2 मिनट लगेंगे और ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी। तरबूज का जूस नेचुरली काफी मीठा और स्वादिष्ट होता है, इसलिए आप इसमें आइस क्यूब्स डालकर ऐसे भी पी सकते हैं। हालांकि अगर इसे और टेस्टी बनाना है तो इसमें थोड़ा सा काला नमक, ताजे पुदीना के पत्ते और नींबू का रस मिला सकते हैं। कई लोग इसमें भुना जीरा पाउडर मिलाना भी पसंद करते हैं, इससे काफी अच्छा टेस्ट आता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 2026 के अवसर पर महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सम्मान का संदेश देने वाला एक विशेष कार्यक्रम गत गुरुवार को वर्सोवा में उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। 'पीरियड फ्रेंडली वर्ल्ड' की संकल्पना को मजबूती देते हुए डिजिटल सैनिटरी पैड बैंक की 10 वर्षों की सफल यात्रा का इस अवसर पर सम्मान किया गया। मासिक धर्म को लेकर समाज में मौजूद झिझक और भ्रांतियों को दूर कर इस विषय पर खुलकर संवाद करने का संदेश कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया। यह दशकपूर्ति समारोह भाजपा की वर्सोवा विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक तथा टी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. भारती लव्हेकर की पहल पर आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। कार्यक्रम में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, अभिनेत्री प्रीति सप्रू, अभिनेता एवं निर्माता शशि रंजन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. सेजल अजमेरा,

समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता

आईटीए अवॉर्ड्स की संस्थापक अनु रंजन, पूर्व नगरसेवक योगीराज दाभाडकर तथा पूर्व नगरसेविका रंजना पाटिल विशेष रूप से उपस्थित थे। 'वॉक फॉर अ कॉज' और 'ब्रेक द टैबू' जैसी अवधारणाओं के माध्यम से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने यह संदेश दिया कि मासिक धर्म कोई छिपाने का विषय नहीं, बल्कि उसे समझने और स्वीकार करने की प्रक्रिया है। डॉ. भारती लव्हेकर ने बताया कि पिछले दस वर्षों से डिजिटल सैनिटरी पैड बैंक के माध्यम से देश के साथ-साथ अफ्रीका और अन्य देशों की जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा 118 स्कूलों की छात्राओं को नियमित रूप से मुफ्त सैनिटरी पैड वितरित किए जाते हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में मेंस्ट्रुअल किट्स का भी वितरण किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान के लिए किए गए इस उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों उन्हें 'फर्स्ट लेडी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया था। डॉ. भारती लव्हेकर ने विश्वास व्यक्त किया कि मासिक धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्वच्छता संबंधी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और सामाजिक स्वीकार्यता को मजबूत करने की दिशा में यह दशकपूर्ति समारोह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी गणमान्य हस्तियां उपस्थित थी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'समन्वय-2026' का शुभारंभ, 10.2 एमटीपीए विस्तार परियोजना के लिए वेंडर मीट सम्मेलन आयोजित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की उत्पादन क्षमता को वर्तमान 6.8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करने की प्रस्तावित विस्तार परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु बीएसपी के परियोजना विभाग द्वारा 03 जून 2026 को भिलाई निवास में दो दिवसीय विक्रेता सहयोग सम्मेलन (वेंडर मीट) 'समन्वय-2026' का शुभारंभ किया गया। -भविष्य के विस्तार हेतु सहभागिता का सुदृढ़ निर्माण- विषय पर आधारित यह सम्मेलन प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, ईपीसी एजेंसियों, सलाहकारों, उपकरण निर्माताओं, सेवा भागीदारों तथा परियोजना हितधारकों के बीच समन्वित सहयोग को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) श्री चित्त रंजन महापात्र ने किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री पी.के. सरकार, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, कार्यवाहक कार्यपालक निदेशक (खदान) श्री आर.बी. गहरवार, व मुख्य महाप्रबंधकों सहित सेल निगमित कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, एवं संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर की 100 से अधिक विक्रेता कंपनियों के 200 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

अपने संबोधन में निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) श्री चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 2030-31 तक देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 300 मिलियन टन तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके अनुरूप देश के प्रमुख इस्पात उत्पादक व्यापक विस्तार पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सेल ने वर्ष 2030 तक अपनी उत्पादन क्षमता को 35 मिलियन टन तक

बढ़ाने की परिकल्पना की है, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र की क्षमता को 6.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करना एक महत्वपूर्ण घटक है।

उन्होंने कहा कि भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था से इस्पात की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि कर रही हैं, जिससे इस्पात उद्योग के लिए व्यापक अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने विस्तार परियोजना के क्रियान्वयन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल प्रणालियों तथा सुरक्षित कार्य-पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्ववर्ती विस्तार परियोजनाओं से प्राप्त अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सभी हितधारकों से चुनौतियों का सामूहिक रूप से सामना करते हुए आगामी परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिभागियों से सम्मेलन के दौरान उभरती प्रौद्योगिकियों, नवाचारी कार्यान्वयन पद्धतियों, लॉजिस्टिक्स अनुकूलन तथा सहयोगात्मक समाधानों पर सार्थक विचार-विमर्श करने का भी आग्रह किया, जिससे परियोजना का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री पी.के. सरकार ने 'समन्वय-2026' की अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीएसपी की प्रस्तावित क्षमता वृद्धि केवल इंजीनियरिंग उत्कृष्टता से ही संभव नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सभी हितधारकों के मध्य निर्बाध समन्वय भी आवश्यक है। उन्होंने उपलब्ध सर्वोत्तम संसाधनों, सेवाओं एवं विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने पर बल देते हुए विक्रेताओं और सहयोगी संस्थाओं से इस राष्ट्रीय महत्व की परियोजना में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। श्री सरकार ने प्रतिभागियों से इस मंच का उपयोग सीखने, अनुभव साझा करने तथा विचारों के आदान-प्रदान के लिए करने का आग्रह किया, ताकि विस्तार परियोजना के लिए एक सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की जा सके। उद्घाटन सत्र का संचालन उप महाप्रबंधक (परियोजनाएं) श्री अभिषेक श्रीवास्तव एवं सहायक महाप्रबंधक (परियोजनाएं) सुश्री जया तिवारी ने किया।

बीएसपी की विस्तार परियोजना के लिए आवश्यक तकनीकी, लॉजिस्टिक एवं रणनीतिक समन्वय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में छह प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इनमें 3.44 एमटीपीए कच्चे इस्पात क्षमता विस्तार के अंतर्गत प्रस्तावित प्रमुख तकनीकी सुविधाएं, इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण एवं कमीशनिंग गतिविधियों को समाहित करने वाली समग्र परियोजना कार्ययोजना, बहु-विषयक विक्रेताओं के मध्य सहयोगात्मक सहभागिता सत्र, मानकीकरण एवं गुणवत्ता अनुपालन, आपूर्ति श्रृंखला एवं लॉजिस्टिक्स एकीकरण तथा परियोजना नेतृत्व एवं विषय विशेषज्ञों के साथ प्रत्यक्ष तकनीकी संवाद शामिल हैं।

अमलेश्वर में अवैध होर्डिंग्स का जाल, कार्रवाई के अभाव में बढ़ रहा दुर्घटना का खतरा

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र में लगातार अवैध होर्डिंग लगाए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। आरोप है कि इस संबंध में कार्रवाई करने से पालिका प्रशासन बचता नजर आ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार होर्डिंग्स के टेंडर की प्रक्रिया पिछले लगभग एक वर्ष से लंबित है, जिसके चलते नगर पालिका को राजस्व हानि उठानी पड़ रही है और अवैध होर्डिंग लगाने वालों के हौसले बुलंद हैं। बताया जा रहा है कि कॉलोनाइजर, बिल्डिंग ठेकेदार एवं विभिन्न व्यापारी अपनी-अपनी प्रचार सामग्री और होर्डिंग्स बिना अनुमति सार्वजनिक स्थानों एवं सड़कों के किनारे लगा रहे हैं। जहां जगह मिल रही है, वहां होर्डिंग्स स्थापित या चिपकाई जा रही हैं। इस स्थिति को लेकर नगर पालिका के राजस्व विभाग एवं संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र में बिना अनुमति कोई भी व्यक्ति या संस्था होर्डिंग कैसे लगा सकती है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि कई होर्डिंग्स तेज हवा और तूफान के दौरान उखड़ चुकी हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसा ही एक मामला मगरघटा क्षेत्र में सामने आया है। मल्टी स्पोर्ट सिटी के पास स्थित एक बड़ा होर्डिंग पिछले सप्ताह आए तेज हवा-तूफान में उखड़कर सड़क किनारे आ गिरा और सफेद लाइन तक पहुंच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसे नहीं हटाया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बावजूद इसके, एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले में नगर पालिका के राजस्व विभाग के सभापति राजू सोनकर ने बताया कि वर्तमान में होर्डिंग्स से किसी प्रकार का राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि होर्डिंग्स के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है, लेकिन अब तक अंतिम स्वीकृति नहीं मिल पाई है। इसके कारण नगर पालिका को राजस्व का नुकसान हो रहा है और लोग मनमाने ढंग से अवैध होर्डिंग्स लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क किनारे गिरे हुए होर्डिंग्स दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इसके बावजूद हफ्ते भर से पड़े होर्डिंग पर कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। इस पूरे मामले को लेकर नगरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है तथा प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की जा रही है।

राजहरा माइंस हॉस्पिटल में 24वें मेगा मेडिकल कैंप का सफल आयोजन, 650 से अधिक मरीज हुए लाभान्वित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस हॉस्पिटल में दिनांक 01 जून 2026 को 24वें मेगा मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य राजहरा एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यक उपचार सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना था। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञताओं के चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम द्वारा व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

चिकित्सा शिविर के दौरान लगभग 650 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श किया गया। लाभार्थियों को हृदय रोग, मेडिसिन, अस्थि रोग, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, नेत्र रोग, कान-नाक-गला (ईएनटी), त्वचा रोग, दंत चिकित्सा, सामान्य शल्य चिकित्सा तथा दर्द प्रबंधन सहित विभिन्न

विषयों में विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर के दौरान 25 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन लगाए गए तथा 6 मरीजों को प्लास्टर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

इस मेगा मेडिकल कैंप में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। टीम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष (सर्जिकल ट्रॉमा) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. चंदन दास, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद बिनायके, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. इमैनुअल मैसी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रभदीप कौर, दंत शल्य चिकित्सक डॉ. वनिता शर्मा, सामान्य शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. धीरज शर्मा, दर्द प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. शिखा अग्रवाल, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. शशांक अग्रवाल, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका शिवप्पा तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आरती जैन शामिल थीं। इसके अतिरिक्त डीएनबी रेजिडेंट्स डॉ. शुभम (ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. शालिनी (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. श्रेयस (नेत्र रोग) एवं डॉ. पूर्णिमा (मेडिसिन), सहायक प्रबंधक श्रीमती देवकी साहू, मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट श्री कल्लोल मैती तथा फिजियोथेरेपिस्ट श्री दिग्विजय ने भी शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों, डीएनबी रेजिडेंट्स, पैरामेडिकल कर्मियों एवं सहयोगी स्टाफ ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर के माध्यम से मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं के निदान, उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (आईओसी राजहरा) श्री आर. बी. गहरवार, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आईओसी राजहरा) श्री तुषार राय चौधरी तथा उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके साथ ही चिकित्सा, नर्सिंग, प्रशासनिक एवं सहायक टीमों के समन्वित प्रयासों से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राजहरा माइंस हॉस्पिटल द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे ऐसे मेगा मेडिकल कैंप क्षेत्र के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सुशासन तिहार के दौरान शिविर में जनता से अशिष्ट व्यवहार करने पर त्वरित कार्यवाही

दुर्ग। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत् दुर्ग जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) रूपेश कुमार पाण्डेय को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरतने और आम जनता से अशिष्ट व्यवहार (कदाचरण) करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। यह कार्रवाई कलेक्टर अभिजीत सिंह के प्रस्ताव और शासन द्वारा आयोजित 'सुशासन तिहार' के तहत ग्राम थनौद के जन समस्या निवारण शिविर में सीईओ पाण्डेय द्वारा जनता से की गई बदसलूकी के वीडियो क्लिप के आधार पर की गई है। इस संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस का सीईओ द्वारा दिया गया जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, जिसके बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत यह निलंबन आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के अनुसार, प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्निष्ठ रहना, कर्तव्यपरायण रहना और ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना अनिवार्य है जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो, तथा नियम 3-क के खण्ड (क) के अनुसार कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा, ऐसा उपबंधित है।

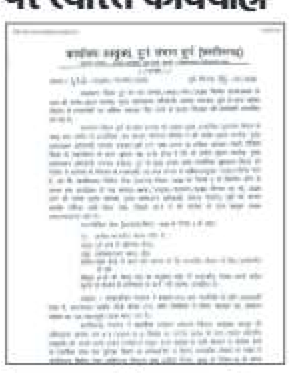

दुर्ग में 48 नए पुलिस अफसरों को मिला गुरुमंत्र, साइबर अपराध पर रहेगा फोकस

दुर्ग। पुलिस की नई फौज अब मैदान में उतरने को तैयार है और उन्हें पहली ही ब्रीफिंग में साफसंदेश दे दिया गया है कि वर्दी का असली सम्मान जनता के विश्वास से मिलता है। इसी सोच के साथ सोमवार 1 जून 2026 को दुर्ग में 47 परिविक्षाधीन उपनिरीक्षकों और 1 सूबेदार की विशेष ब्रीफिंग आयोजित की गई, जहां पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने नवप्रशिक्षु अधिकारियों को पुलिसिंग की बारीकियों से रूबरू कराया।

ब्रीफिंग के दौरान एसएसपी विजय अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, जनता के प्रति मधुर व्यवहार और निरंतर सीखने की भावना ही एक सफल पुलिस अधिकारी की पहचान है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को समझाया कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि आम लोगों का भरोसा जीतना भी है। इस दौरान दुर्ग जिले की भौगोलिक स्थिति, अपराध के बदलते स्वरूप, संवेदनशील क्षेत्रों और यातायात व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई ताकि अधिकारी जमीनी परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

बैठक में साइबर अपराधों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को बताया गया कि बदलते दौर में साइबर क्राइम सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और इस पर प्रभावी निगरानी तथा त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जिले में होने वाले विभिन्न अपराधों, वीआईपी ड्यूटी और कानून-व्यवस्था प्रबंधन की महत्वपूर्ण बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक लाइन सी.पी. तिवारी और रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा भी मौजूद रहे। बहरहाल, दुर्ग पुलिस ने अपने नए अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि बेहतर पुलिसिंग की शुरुआत जनता के प्रति संवेदनशीलता, अनुशासन और सतत सीखने की भावना से ही होती है।

आयुक्त ने स्थानीय पार्षद के साथ स्मृति नगर वार्ड का किया निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ -सफाई, अवैध प्लाटिंग, नाला सफाई सहित अन्य कार्यो का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं। निगम आयुक्त, पार्षद मुकेश कुमार अग्रवाल के उपस्थिति में वार्ड क्रं. 02 स्मृति नगर के वार्डो का जायजा लिये। वार्ड में साफ -सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किये और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने कहा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिले। बरसात में अधिक वर्षा होने से निचली जगहो पर जलभराव हो जाता है, जिससे नागरिको को परेशानी होती है, ऐसे डूबान क्षेत्र के समस्या को सुधार कराने निर्देशित किये हैं। वार्ड में ही कुछ अवैध प्लाटिंग कर नागरिको को बेच दिया गया है। खरीदीकर्ताओं द्वारा निर्माण भी किया जा रहा है, उन अवैध प्लाटिंगकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई करने निर्देशित किया गया है। समीपस्थ बरसात से पूर्व बड़े नाला की सफाई कराने कहा गया है, जिससे बरसात का पानी न रूके। स्मृति नगर में कुछ माह पूर्व नाली निर्माण किया गया है, जो अव्यवस्थित हो गया है संबंधित के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने कहा गया है। आनंद नगर में नया नाली निर्माण कराने के आदेश दिया गया है, जिससे नागरिको को सुविधा मिले। आयुक्त ने सड़को का जायजा लिये, कुछ स्थल में सड़क संधारण की आवश्यकता है, संधारण कराने निर्देशित किया गया है। स्मृति नगर में स्थानीय नागरिको द्वारा अपने घरो के सामने नाली के उपर ढलाई कर वाहन पार्किंग के लिए संरचना बनाया गया है, जिससे नालियों की सफाई में रूकावट हो रही है। उन सभी नालियों के उपर से ढलाई हटाकर सफाई कराने कहा गया है। आयुक्त ने पुष्पक नगर स्थित मार्केट का अवलोकन किये और नाली, सड़क की सफाई कराने कहा गया है साथ ही पेवर ब्लाक को व्यवस्थित करने निर्देशित किये हैं।

कलेक्टर ने की जिले में प्रगतिरत सात समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा

ओदरागहन समूह जलप्रदाय योजना से शीघ्र शुरू होगी जलापूर्ति

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सिंह ने जिले में संचालित विभिन्न जलप्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में प्रगतिरत 07 समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ओदरागहन समूह जलप्रदाय योजना से शीघ्र जलापूर्ति प्रारंभ की जाएगी। वहीं अंजोरा ढाबा एवं मोतिमपुर समूह योजनाओं में विद्युत कनेक्शन से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया। जल जीवन मिशन अंतर्गत निरस्त किए गए अनुबंधों के मामलों में शीघ्र नई निविदा आमंत्रित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन एजेंसियों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के कारण स्पष्टीकरण जारी किया गया है, उनके संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करने के को कहा। कलेक्टर ने अमलेश्वर समूह योजना में शामिल चार ग्राम- अमलेश्वर, मगरघटा, खुड़मुड़ी एवं भोथली को संबंधित स्थानीय निकाय को हस्तांतरित करने हेतु संयुक्त निरीक्षण के बाद आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिन ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उनका संचालन एवं संधारण संबंधित पंचायतों द्वारा किया जाएगा। इसके लिए जिला पंचायत को नल जल मित्रों का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मिशन संचालक, जल जीवन मिशन से प्राप्त निर्देशानुसार 'लोक जल उत्सव' वार्षिक कैलेंडर को जिला वार्षिक कार्ययोजना में शामिल करते हुए ग्राम पंचायत एवं जिला स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिले में 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन, खिलाड़ियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

दुर्ग। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा आयोजित वर्ष 2026-27 के 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का विधिवत समापन हो गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह प्रशिक्षण शिविर 11 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जिले के पृथक-पृथक 17 खेल मैदानों में संचालित किया गया था, जिसमें बालक-बालिका खिलाड़ियों को फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, नेटबॉल, ताईक्वांडो एवं कुश्ती जैसे विभिन्न खेलों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर के अंतर्गत फुटबॉल खेल का समापन के.डी. पब्लिक स्कूल बोरसी के खेल

मैदान में आयोजित किया गया, जहाँ समापन समारोह के मुख्य अतिथि भूषण साहू (संचालक, के.डी. पब्लिक स्कूल बोरसी), अलबियुस एक्का (सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण, जिला-दुर्ग) तथा भूपेन्द्र कुमार हिरवानी (फुटबॉल प्रशिक्षक) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ग्रीष्मकालीन शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभावान बालक एवं बालिका खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा सहायक संचालक अलबियुस एक्का ने खेल की बारीकियां सीखने वाले इन बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पाटन उपचुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत, उर्वशी शैलेश साहू विजयी

पाटन। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत जनपद क्षेत्र क्रमांक 04 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी उर्वशी शैलेश साहू ने शानदार जीत दर्ज करते हुए भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया। भाजपा द्वारा दिए गए कांग्रेस मुक्त पाटन के नारे को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता ने करारा जवाब दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर उर्वशी शैलेश साहू को विजय दिलाई। पाटन क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मैं हूं भूपेश का नारा पूरी तरह सफल साबित हुआ। इस ऐतिहासिक जीत में पूर्व मुख्य मंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में पूर्व जिला पंचायत सभापति चुनाव प्रभारी मोनू साहू के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं युवा नेता चैतन्य बघेल, कांग्रेस नेता आशीष वर्मा तथा जिला अध्यक्ष राकेश साहू के सफल मार्गदर्शन और रणनीति से कांग्रेस को यह बड़ी जीत हासिल हुई। उर्वशी साहू के पक्ष में क्षेत्र की जनता का सहानुभूति समर्थन एक बड़े वोट बैंक के रूप में सामने आया। कांग्रेस की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत ने यह साबित कर दिया कि पाटन में कांग्रेस की जड़ें मजबूत हैं और जनता का भरोसा कांग्रेस के साथ कायम है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com